RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:127 ता. 12 नवम्बर 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कर्जदारों की जवाबी याचिका पर सुनवाई कर सकती हैं दीवानी अदालतें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने एक आदेश में कहा कि कर्ज देने वाले बैंकों या वित्तीय संस्थानों के विरुद्ध कर्जदारों के जवाबी मुकदमे पर दीवानी अदालतें विचार कर सकती हैं। अगर बैंक या वित्तीय संस्थान एक विशेष कानून के तहत ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) के समक्ष अलग से वसूली की कार्रवाई कर रहे हैं, तो भी ऐसा किया जा सकता है।

वित्तीय संस्थानों के खिलाफ दीवानी अदालत में हो सुनवाई-शीर्ष अदालत इस जटिल कानूनी सवाल पर विचार कर रहा था कि क्या ऐसा

कर्जदार, जो डीआरटी के समक्ष बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण वसूली की कार्रवाई का सामना कर रहा है, वह वित्तीय संस्थानों के खिलाफ दीवानी अदालत में जवाबी मुकदमा दायर कर सकता है या नहीं।

दीवानी वाद किया जा सकता है दायर-जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने कहा, रिकवरी आफ डेट्स ड्यू टू बैंक्स एंड फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस एक्ट, 1993 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिसके तहत बैंक के दावे के जवाब में प्रतिवादी द्वारा दीवानी वाद दायर नहीं किया जा सकता है।

पीठ ने मामले में क्या कहा-पीठ ने यह भी कहा कि सिविल प्रोसीजर कोड में ऐसी कोई शक्ति नहीं है, जिसके तहत ऋण की वसूली के लिए आवेदन करने वाले बैंक या वित्तीय संस्थान के विरुद्ध कर्जदार द्वारा दाखिल स्वतंत्र वाद को आरडीबी एक्ट के तहत डीआरटी को स्थानांतरित किया जा सके।

हिमाचल में 37 साल पुराना 'रिवाज', क्या इस बार होगा नए दौर का आगाज?

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार का शोर थम चुका है। 12 नवंबर को 68 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग होनी है और 8 नवंबर को ताजपोशी। इस बार के चुनाव में भाजपा नई इबारत लिखने का मन बना चुकी है। भाजपा के कदम से साफ है कि वह राज्य में 1985 से चल रहे 'रिवाज' को खत्म करने की कोशिश में है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी का मानना है कि भाजपा का यह मिशन फेल हो जाएगा और रिवाज बदस्तूर जारी रहेगा। क्या है यह रिवाज और भाजपा की वो तैयारी जो इस बार हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव को और भी रोचक बना रही है।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर सभी की जिज्ञासा उस रिवाज को बदलने पर टिकी है। क्या इस बार फिर पिछली बार की तरह मोदी का मैजिक चलेगा या कांग्रेस का प्रियंका वाड्रा %एक्सपेरिमेंट%का जादू। इस बार राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में बिजी हैं तो कांग्रेस की कमान उनकी बहन प्रियंका गांधी के हाथों में है। प्रियंका ने यहां तीन से चार रैलियां भी की है। हालांकि चुनाव प्रचार के आखिरी दिन शिमला में प्रियंका का रोड शो प्रस्तावित था लेकिन वो खराब मौसम की वजह से नहीं पहुंच पाई।

कौन सा रिवाज खत्म करना चाहती है भाजपा

दरअसल, साल 1985 से हिमाचल में किसी भी पार्टी ने सरकार रिपीट नहीं की है। यूं कह सकते हैं कि जनता जनार्धन भाजपा हो या कांग्रेस किसी को भी सत्ता में रिपीट नहीं करने देती। 1985 में 52 सीटों के साथ कांग्रेस सत्ता में आई थी। 1990 में भाजपा ने 46 सीट जीतकर सरकार बनाई थी। उसी तरह 1993 में कांग्रेस, 1998 में भाजपा, 2003 में कांग्रेस,

2007 में प्रेम कुमार धूमल ने भाजपा की वापसी कराई थी। उसी तरह 2012 में कांग्रेस और फिर 2017 में भाजपा धूमल के चेहरे पर चुनाव जीता लेकिन सीएम जयराम ठाकुर बनाए गए।

भाजपा की तैयारी कैसी है

इस बार विधानसभा चुनाव में 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के लिए भाजपा ने हालांकि मोदी मैजिक का सहारा लिया है लेकिन, एक और बात है जो हिमाचल में भाजपा की सत्ता में वापसी करा सकती है। इस बार भाजपा ने दिग्गजों के टिकट काटकर बड़ा सियासी संदेश देने की कोशिश की है। भाजपा ने एक मंत्री समेत 11 सिटिंग विधायकों के टिकट काटकर नए चेहरों को मौका दिया है। भाजपा का इस पर हालांकि तर्क है कि ग्राउंड पर नेताओं के काम के आधार पर टिकट का आवंटन किया गया है।

गारंटी नहीं तो टिकट भी नहीं

भाजपा पहले ही साफ कर चुकी है कि अगर चुनाव जीतने की गारंटी नहीं तो उसे टिकट नहीं दिया जाएगा। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी साफ कर चुके हैं कि क्षेत्र में जनता का फीडबैक लेने के बाद टिकट का आवंटन किया गया है। भाजपा हर हाल में हिमाचल में सरकार रिपीट करना चाहती है।

पिछले चुनाव के नतीजों का डर

2017 विधानसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों के दिग्गजों को चुनाव में करारी हार झेलनी पड़ी थी। पिछले चुनाव में कांग्रेस के दिग्गज कैबिनेट मंत्रियों को हार झेलनी पड़ी थी। जिसमें कौल सिंह ठाकुर, जीएस बाली, सुधीर सिंह बाली, ठाकर सिंह बरमौरी शामिल हैं। वहीं, भाजपा की ओर से प्रेम कुमार धूमल, जिनके चेहरे पर भाजपा ने चुनाव लड़ा, अपनी सीट हार गए। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष सतपाल सत्ती भी अपनी सीट नहीं बचा पाए।

● इस बार के चुनाव में भाजपा नई इबारत लिखने का मन बना चुकी है। भाजपा के कदम से साफ है कि वह राज्य में 1985 से चल रहे 'रिवाज' को खत्म करने की कोशिश में है।

पार्टियां जानती हैं कि जनता जनार्धन को अगर काम पसंद नहीं आया तो चेहरा कितना बड़ा हो, साइड करने में ज्यादा देरी नहीं लगाएगी। यही वजह है कि इस बार भाजपा ने टिकटों का आवंटन बड़ी सावधानी से किया है।

केंद्र सरकार ने कहा- मतांतरित ईसाइयों और मुस्लिमों को नहीं मिलना चाहिए आरक्षण का लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र देकर भेदभाव के कारण हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई और मुस्लिम बने लोगों की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने अपने हलफनामे में कहा है कि इसका कोई आकलन नहीं है कि मतांतरण करने वाले दलितों के लिए वहां भी उसी स्तर पर पिछड़ापन है। वैसे भी संबंधित राज्य सरकारें ऐसे वर्ग को अन्य पिछड़ा वर्ग के तहत सुविधा देती हैं।

सेंटर फार पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन ने दायर की है याचिका

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में यह हलफनामा एक गैरसरकारी संगठन सेंटर फार पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन की याचिका पर दायर किया है। एनजीओ ने मुस्लिम और ईसाई धर्म अपनाने वाले दलित समूहों को आरक्षण एवं अन्य सुविधाएं देने की मांग की है। जबकि अनुसूचित जाति से जुड़े कई संगठनों ने ऐसी मांगों का विरोध किया है, जिनमें भेदभाव के चलते हिंदू धर्म छोड़कर मुस्लिम या ईसाई बने दलितों के लिए अनुसूचित जाति के दर्जे की दावेदारी की जा रही है। इन संगठनों का कहना है कि ऐसे लोग धर्म बदलकर छुआछूत और उत्पीड़न के दायरे से बाहर निकल गए हैं। ऐसे में उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए।

इन धर्मों में जातीय आधार पर भेदभाव नहीं

केंद्र सरकार ने दलित ईसाइयों और दलित मुसलमानों को अनुसूचित जातियों की सूची से बाहर रखने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि आंकड़ों से पता चलता है कि इन धर्मों में जातीय आधार पर भेदभाव नहीं है। न ही उन धर्मों में उत्पीड़न होता है। ऐसे में मतांतरित ईसाई और मुस्लिम उन लाभों का दावा नहीं कर सकते, जिनकी अनुसूचित जातियां हकदार हैं। मंत्रालय के अनुसार संविधान में ऐसा कोई प्रविधान नहीं है।

मतांतरित बौद्धों और सिखों को मिलता है लाभ

अब तक अनुसूचित जाति से मतांतरित बौद्धों और सिखों को ही आरक्षण का लाभ मिलता है। किंतु कई राज्यों में बौद्ध संगठनों ने भी इसका विरोध किया है। उनका कहना है कि उन्होंने केवल हिंदू धर्म में जातीय भेदभाव के विरोध में बौद्ध धर्म अपनाया है।

अब गांव में भी मकान बनाने से पहले नक्शा पास कराना होगा, कानून बदलने की तैयारी

पटना। अगर आप गांव में रहते हैं और घर बनाने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर जरूर पढ़ें। शहरों की तरह अब ग्रामीण इलाकों में भी मकान बनाने से पहले नक्शा पास कराना होगा। इसके लिए बिहार की नीतीश सरकार कानून बदलने पर विचार कर रही है। इसके तहत एक खास सीमा से अधिक ऊंचे भवनों के लिए नक्शा पास कराना अनिवार्य किया जाएगा। हालांकि तय सीमा से कम ऊंचे भवनों के लिए यह जरूरी नहीं होगा। इसके लिए पंचायती राज कानून, 2006 में संशोधन किया जाएगा।

अभी राज्य के ग्रामीण इलाकों में मकान बनाने पर नक्शा पास कराने का कोई प्रावधान नहीं है। मगर गांवों में भी अब ऊंचे-ऊंचे मकान बनने लगे हैं, इसलिए यह प्रावधान किया जा रहा है। पंचायती राज विभाग ने कानून में संशोधन की तैयारी कर दी है।

विभाग के पदाधिकारी का कहना है कि मकानों का नक्शा पास करने का अधिकार

पंचायती राज कानून में नहीं है। इसलिए कानून में संशोधन किया जाएगा। ताकि, यह अधिकार पंचायती राज के पास प्राप्त हो। इसके लिए विधानमंडल के आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान संशोधन विधेयक पेश किए जाने की उम्मीद है। कानून में संशोधन हो जाने के बाद नक्शा पास करने को लेकर नियमावली भी बनेगी। नियमावली में सारी शर्तें और अधिकार का विस्तार से उल्लेख होगा

शहरों के आसपास बन रहीं ऊंची इमारतें

शहरों के आस-पास ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऊंची-ऊंची इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। रियल स्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) ने भी इस तरह के मामले को पूर्व में पंचायती राज विभाग को अवगत कराया था। रेरा ने विभाग को कहा था कि शहरों की तरह ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे निर्माण को लेकर कोई कानून और नियमावली जरूर बननी चाहिए। रेरा के पास ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे निर्माण के मामले पहुंचे थे। मालूम हो कि शहरी क्षेत्रों के मामले को देखने का अधिकार रेरा को है।

यूपी में है यह व्यवस्था

बिहार के पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में भी मकान बनवाने पर नक्शा पास करवाने का प्रावधान है। वहां 3230 वर्ग फीट से अधिक क्षेत्रफल पर निर्माण के लिए नक्शा पास कराना जरूरी है। साथ ही आवासीय भवन के लिए कुल कवर एरिया पर 50 रुपये प्रति मीटर की दर से शुल्क लगता है। नक्शा पास करने के लिए जिलास्तर पर कमेटी का गठन होगा।

जम्मू कश्मीर के शोपियां में सेना का ऑपरेशन, एनकाउंटर में जैश का आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई एक मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकी मारा गया।

शोपियां। जम्मू-कश्मीर के शोपियां के कापरेन इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच शुक्रवार तड़के एक बार फिर मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकियों की सूचना पर सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस संयुक्त ऑपरेशन में दहशतगर्दों की तलाश कर रही है। इस ऑपरेशन में जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी को मार गिराया है। सुबह के वक्त कश्मीर जोन पुलिस के मुताबिक, शोपियां के कापरेन इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई है। पुलिस और सेना काम पर है। आगे के विवरण का पालन किया जाएगा। कुछ वक्त बाद एडीजीपी कश्मीर ने एनकाउंटर पर अपडेट दिया, जेईएम आतंकी संगठन का एक सदस्य मारा गया है। जिसकी पहचान कामरान भाई उर्फ हनीस के रूप में हुई, जो कुलगाम-शोपियां इलाके में सक्रिय था। तलाश अभी भी जारी है।

गुजरात चुनाव के लिए कांग्रेस की दूसरी लिस्ट जारी, आधी रात 46 उम्मीदवारों के नाम घोषित

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इनमें 46 कैंडिडेट्स के नाम शामिल हैं। लिस्ट में 3 महिला और 4 मुस्लिम नाम भी हैं। लिस्ट जगह बनाने वाली लिस्ट में लिंबडी से कल्पना करमसिभाई मकवाना, डेडियापाड़ा-एसटी से जर्माबेन सुखलाल वसावा और करंज से भारती प्रकाश पटेल शामिल हैं।

दूसरी लिस्ट में भुज से अर्जनभाई भूडिया, जूनागढ़ से भीखाभाई जोशी, सूरत पूर्व से असलम साइकिलवाला, सूरत उत्तर से अशोकभाई पटेल और वलसाड से कमलकुमार पटेल उम्मीदवार हैं। इससे पहले पार्टी ने 43 नामों वाली पहली लिस्ट पिछले शुक्रवार को जारी कर दी थी। कांग्रेस ने अब तक 89 सीटों के उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। उधर काफी समय तक विचार विमर्श के बाद BJP ने भी गुरुवार को उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। गुजरात में पहले चरण में 1 दिसंबर और दूसरे चरण के लिए 5 दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। जबकि चुनाव परिणाम 8 दिसंबर को आएंगे।

दो दिन में कांग्रेस के 3 विधायकों का इस्तीफा-

हालांकि गुजरात चुनाव में कांग्रेस की राह आसान नहीं होने वाली है। पिछले 2 दिनों में तीन कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। गुजरात के दाहोद जिले के झालोड़ से कांग्रेस विधायक भावेश कटारा ने बुधवार रात को इस्तीफा दिया है। वे मोहनसिंह राठवा और भगवान बराड़ के बाद इस्तीफा देने वाले कांग्रेस के तीसरे विधायक हैं।

चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के दूसरे दिन ही कांग्रेस ने 43 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी थी। राज्यसभा सदस्य अमीबेन याग्निक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया और मुहवा में औद्योगिक प्लांट के खिलाफ आंदोलन करने वाले डॉ. कनुभाई कलसरिया के नाम शामिल हैं।

BJP ने 38 विधायकों के टिकट काटे-गुरुवार को जारी हुई भाजपा की पहली लिस्ट में 180 विधानसभा सीटों में से 160 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल घाटलोढ़िया से चुनाव मैदान में उतरेंगे। घाटलोडिया राज्य की हॉट सीट है। मुख्यमंत्री यहां से भाजपा विधायक हैं। पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की जगह डॉ. दर्शिता शाह राजकोट पश्चिम से चुनाव लड़ेंगीं।

उत्तराखंड में पतंजलि की 5 दवाओं पर बैन

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने योग गुरु बाबा रामदेव के पतंजलि ग्रुप की 5 दवाओं के प्रोडक्शन पर बैन लगा दिया है। ये दवाएं दिव्य फार्मेसी बनाती है। उत्तराखंड की आयुर्वेद और यूनानी लाइसेंस अथॉरिटी के मुताबिक इन दवाओं के विज्ञापन भ्रामक है। हालांकि बाबा रामदेव ने कहा है कि उन्हें ऐसे किसी आदेश की कॉपी अब तक नहीं मिली है। उन्होंने दावा किया कि दवाओं पर बैन लगाने के पीछे आयुर्वेद विरोधी ड्रग माफिया की साजिश है।

पहले समझें मामला क्या है

दरअसल केरल के एक डॉक्टर केवी बाबू ने जुलाई में शिकायत की थी। उन्होंने पतंजलि के दिव्य फार्मेसी की ओर से ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (ऑब्जेक्शनेबल एडवर्टाइजमेंट) एक्ट 1954, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक रूल्स 1945 के बार-बार उल्लंघन का आरोप लगाया था। बाबू ने राज्य के लाइसेंसिंग अथॉरिटी को 11 अक्टूबर को एक बार फिर ईमेल के जरिए शिकायत भेजी थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बैन का आदेश उत्तराखंड आयुर्वेदिक और यूनानी सेवा के लाइसेंस अधिकारी डॉ. जीसीएस जंगपांगी ने जारी किया था। उन्होंने पतंजलि पर भ्रामक विज्ञापनों का आरोप लगाया था। बाद में यह खबर कई मीडिया हाउस ने पब्लिश की थी।

अब उन दवाओं के नाम, जिन पर लगाया बैन

अथॉरिटी ने ब्लड प्रेशर, डायबिटीज,

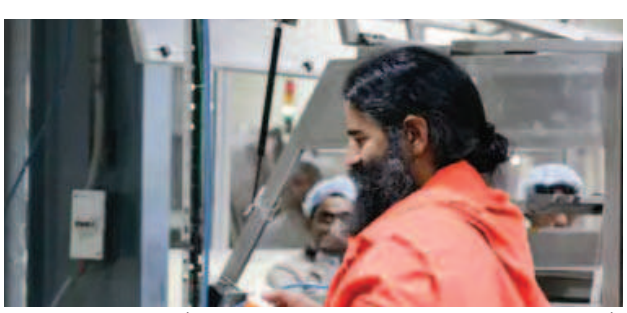

गॉइटर (घेंघा), ग्लूकोमा और हाई कोलेस्ट्रॉल के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं पर बैन लगाया है। इनके नाम हैं बीपी ग्रिट, मधुग्रिट, थाइरोग्रिट, लिपिडोम और आईग्रिट गोल्ड।

आदेश में क्या लिखा है

अथॉरिटी ने इस आदेश में पतंजलि को फॉर्मुलेशन शीट और लेबल में बदलाव करने के बाद बैन दवाओं पर दोबारा मंजूरी लेने कहा है। यानी कंपनी बदलावों की मंजूरी के बाद ही दोबारा प्रोडक्शन कर सकेगी। अथॉरिटी ने कंपनी को भ्रामक विज्ञापनों को तुरंत हटाने के लिए कहा है। साथ ही भविष्य में परमिशन मिलने के बाद ही कोई विज्ञापन चलाने की सलाह दी है। ऐसा न करने पर प्रोडक्शन लाइसेंस वापस लेने की चेतावनी भी दी है। जंगपांगी ने कंपनी से एक हफ्ते में जवाब भी मांगा है।

पतंजलि का बयान- हर दवा 500 वैज्ञानिकों के निरीक्षण में बनती है

कंपनी ने एक बयान में कहा- पतंजलि में बनने वाले सभी प्रोडक्ट और दवाओं को बनाने में निर्धारित मानकों का ध्यान रखा जाता है। हर प्रोडक्ट को 500 से अधिक वैज्ञानिकों की मदद से आयुर्वेद परंपरा की हाई लेवल रिसर्च और क्वालिटी में बनाया जाता है।

आयुर्वेद और यूनानी सेवा उत्तराखंड ने 9 नवंबर को जो लेटर प्रायोजित तरीके से सर्कुलेट किया था, वह अभी तक किसी भी रूप में पतंजलि संस्थान को उपलब्ध नहीं कराया गया है। कंपनी ने कहा है- या तो विभाग अपनी गलती सुधार कर साजिश में शामिल व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई करे, वरना इसमें शामिल लोगों के साथ-साथ पतंजलि को हुए नुकसान की भरपाई के लिए कंपनी कानूनी कार्रवाई करेगी।

सार समाचार

गैंगरेप केस में अंडमान-निकोबार के पूर्व मुख्य सचिव जितेंद्र नारायण गिरफ्तार

नई दिल्ली । पुलिस ने अंडमान एवं निकोबार के पूर्व मुख्य सचिव जितेंद्र नारायण को सामूहिक दुष्कर्म के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता के वकील फटिकचंद्र दास ने कहा कि नारायण की अग्रिम जमानत याचिका एक स्थानीय अदालत द्वारा खारिज किए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। अदालत के फैसले के तुरंत बाद पुलिसकर्मियों की एक टीम एक निजी रिसॉर्ट में पहुंची, जहां जितेंद्र नारायण ठहरे थे और भारी सुरक्षा के बीच उन्हें पुलिस लाइन लाया गया। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी को गिरफ्तारी के बाद चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। विशेष जांच दल (एसआईटी) इस मामले में नारायण से तीन बार पूछताछ कर चुकी है। एसआईटी का गठन उन आरोपों की जांच के लिए किया गया था कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 21 वर्षीय एक युवती को सरकारी नौकरी का झांसा देकर मुख्य सचिव के घर ले जाया गया और फिर वहां नारायण सहित शीर्ष अधिकारियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

ओवैसी पर हमला करने वालों को हफ्ते भर में करना होगा आत्मसमर्पण, सुप्रीम कोर्ट ने दोनों आरोपियों की जमानत की खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2022 में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के वाहन पर गोली चलाने वाले आरोपी को जमानत देने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को आज से एक हफ्ते के अंदर जेल अथॉरिटी के सामने खुद को सरेंडर करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से सबूतों को ध्यान में रखते हुए आरोपी की जमानत याचिका पर नए सिरे से फैसला करने के लिए कहा है। बता दें कि उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक चुनावी कार्यक्रम के बाद रास्ते में एआएमआएम नेता असदुद्दीन ओवैसी पर फायरिंग हुई थी। जिसके बारे में मीडिया से बात करते हुए ओवैसी ने बताया कि मैं कित्तौर, मेरठ (उ.प्र.) में एक चुनावी कार्यक्रम के बाद दिल्ली जा रहा था। छिजारसी टोल प्लाजा के पास 2 लोगों ने मेरी गाड़ी पर 3-4 राउंड गोलियां चलाईं; वे कुल 3-4 लोग थे। मेरी गाड़ी के टायर पंक्चर हो गए, मैं दूसरी गाड़ी में वहां से निकला। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का कहना है कि जब वे आज कित्थौर, मेरठ (उ.प्र.) में चुनाव प्रचार के बाद दिल्ली जा रहे थे तब छिजारसी टोल प्लाजा के पास उनकी गाड़ी पर गोलियां चलाई गईं। घटना के बाद मामले की जांच के लिए आईजी मेरठ रेंज स्वयं मौजूद रहे। मेरठ रेंज के आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि एक व्यक्ति जो सीसीटीवी के आधार पर चिंहित हुआ है तत्परता से हमने उस व्यक्ति को हिरासत में लिया है, उससे पूछताछ की जा रही है। सभी साक्ष्यों को चिंहित किया गया है। पूरा मामला अभी जांच का विषय है। 5 टीमें बनाई गई हैं। बाद में असदुद्दीन ओवैसी के हमलावरों को पकड़ लिया गया। पूछताछ में बाद सामने आया कि वे असदुद्दीन ओवैसी के हिंदू विरोधी बयानों से आहत होकर उनपर ये हमला किया था।

रायगढ़ जिले में विस्फोटक जैसा उपकरण बरामद, निष्क्रिय किया गया

रायगढ। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में मुंबई-गोवा राजमार्ग पर एक पुल के नीचे विस्फोटक जैसा उपकरण बरामद हुआ है, जिसे स्थानीय पुलिस ने 'बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड' (बीडीडीएस) की मदद से निष्क्रिय कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। रायगढ़ के पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घारगे ने बताया कि उपकरण किसी 'डेटोनेटर' से नहीं जुड़ा था और इसमें कोई विस्फोटक नहीं मिला। अधिकारी ने बताया कि भोगवती नदी पर बने एक पुल के नीचे बृहस्पतिवार शाम करीब छह बजे बिजली के सर्किट और एक घड़ी से जुड़ी छह जिलेटिन की छड़ें बरामद होने के बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया था। रायगढ़ पुलिस, राज्य का आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) और नवी मुंबई के बम निरोधक दस्ते के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। एक अन्य अधिकारी ने कहा, '' देर रात बीडीडीएस का एक दल उपकरण को एक खाली स्थान पर ले गया और बिजली के सर्किट तथा जिलेटिन की छड़ों को अलग करके हुए उसे निष्क्रिय कर दिया।'' उन्होंने बताया कि अभियान देर रात करीब दो बजे पूरा हुआ। घारगे ने कहा, ''विस्तृत जांच के लिए उपकरण को फॉरेंसिक साइंस प्रयोगशाला भेजा गया है।'' उन्होंने बताया कि रायगढ़ पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मौके से एक किलोमीटर तक के दायरे में व्यापक स्तर पर तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि मामले में अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

नोएडा: हवाला कारोबार करने के आरोप में आठ लोग गिरफ्तार, करोड़ों रुपए का काला धन बरामद

नई दिल्ली । नोएडा पुलिस ने हवाला कारोबार करने के आरोप में आठ व्यक्तियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया और उनके पास से करोड़ों रुपए का काला धन बरामद किया। पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के प्रवक्ता ने बताया कि थाना सेक्टर 58 पुलिस को बृहस्पतिवार रात को सूचना मिली कि सेक्टर 55 में रहने वाले एक व्यक्ति के घर पर हवाला कारोबार से जुड़े कुछ लोग आ रहे थे। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सेक्टर 55 से आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि इन लोगों के पास से पुलिस ने तीन बैग और दो कट्टों में भरा करोड़ों रुपए का काला धन बरामद किया। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने बरामद काले धन और गिरफ्तार आरोपियों की सूचना आयकर विभाग को दी, जिसके बाद आयकर विभाग ने काला धन अपने कब्जे में ले लिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

दिल्ली-एनसीआर का वायु प्रदूषण पुरुषों को बना रहा नपुंसक, सेक्स लाइफ हो रही बर्बाद

नई दिल्ली । पूरे दिल्ली-एनसीआर में इनदिनों वायु प्रदूषण अपने चरम पर है। राजधानी के आसपास के इलाके भी इसकी चपेट में हैं। पिछले कुछ दिनों में फैक्ट्रियों से निकलने वाली जहरीली गैस, धुएं, पराली, कचरे से उठने वाले धुएं और सड़कों पर धुआं छोड़ती गाड़ियों ने पूरे शहर में स्मॉग बढ़ा दिया है। आप सभी जानते हैं, कि स्मॉग हमारी सेहत के लिए बहुत ही ज्यादा हानिकारक है। यह कई बीमारियों को भी दावत देता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हवा में घुलता प्रदूषण का ये जहर आपकी सेक्स लाइफ को भी बर्बाद कर रहा है? हाल ही में हुए अध्ययन में सामने आया है कि गाड़ियों से निकलने वाला जहरीला धुआं इरेक्टाइल डिसफंक्शन से जुड़ा है। इरेक्टाइल डिसफंक्शन एक बीमारी है, जिसमें पुरुषों का वीर्य कम हो जाता है या खत्म हो जाता है, इससे पुरुषों की सेक्स लाइफ भी खत्म हो जाती है। आसान भाषा में समझें तब यह स्मॉग आदमियों को नपुंसक बना सकता है। विशेषज्ञों ने अपनी रिसर्च में वायु प्रदूषण और टेस्टोस्टेरोन और एस्ट्रोजन हार्मोन के स्तर में वृद्धि के बीच संबंध पाया है। ये दोनों हार्मोंस आदमियों और महिलाओं की सेक्स क्षमता और फर्टिलिटी की प्रक्रिया में अहम किरदार निभाते हैं। विशेषज्ञ लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि प्रदूषण ना केवल हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि ये लोगों के यौन संबंधों पर भी असर डालता है। हाल ही में किए गए अध्ययन में भी ये सामने आया है, कि प्रदूषण यौन संबंधों को प्रभावित करता है और बांझपन का भी कारण बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, ना केवल वायु प्रदूषण बल्कि ध्वनि प्रदूषण और कई अन्य पर्यावरण कारण भी व्यक्ति की सेक्स लाइफ को प्रभावित कर सकते हैं। 2019 में अध्ययन में कार के जहरीले धुएं के संपर्क में आने से इरेक्टाइल डिसफंक्शन के कई मामले सामने आए थे। प्रदूषित जहरीले कणों को सांस के जरिए शरीर के अंदर लेने से रक्त वाहिकाओं में सूजन हो सकती है और ऑक्सीजन प्रजनन अंगों तक नहीं पहुंच पाती है, जिसकी वजह से पुरुषों की यौन उत्तेजित होने की क्षमता प्रभावित होती है। प्रदूषित तत्वों का किसी पुरुष की सेक्स क्षमता पर पड़ने वाले असर जानने के लिए हमने सबसे प्रदूषित माने जाने वाले शहरों जैसे दिल्ली और कोलकाता के लोगों की कम प्रदूषित शहरों वाले लोगों के साथ अध्ययन किया था।

डेरा सच्चा सौदा ने पंजाब के फरीदकोट जिले में अपने एक अनुयायी की हत्या की उच्च स्तरीय जांच की मांग की

चंडीगढ़। हरियाणा के सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा ने पंजाब के फरीदकोट जिले में अपने एक अनुयायी की हत्या की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। डेरा अनुयायी प्रदीप सिंह (37), 2015 के बेअदबी के मामलों में एक आरोपी था। उसकी पांच अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। डेरा ने इस हत्या की निंदा करते हुए अपने अनुयायियों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की भी अपील की है। डेरा के प्रवक्ता जितेंद्र खुराना ने एक बयान में प्रदीप सिंह की हत्या की निंदा की और कहा कि डेरा सभी धर्मों का सम्मान करता है। जितेंद्र खुराना ने कहा, 'हम अपील करते हैं कि इस मामले की जल्द से जल्द उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच हो और जो इस घटना के पीछे हैं उन्हें कड़ी सजा दी जाए।''पंजाब के फरीदकोट जिले में बृहस्पतिवार सुबह कुछ अज्ञात हमलावरों ने डेरा सच्चा सौदा के एक अनुयायी की गोली मारकर हत्या कर दी जो वर्ष 2015 की बेअदबी की घटना का आरोपी था। पुलिस ने यह जानकारी दी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया, कब तक सामान्य नहीं होंगे भारत और चीन के रिश्ते

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और चीन के बीच रिश्तो में कड़वाहट लगातार जारी है। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में हुए विवाद के बाद से दोनों देशों के रिश्तो को सामान्य करने की कोशिश जारी है। हालांकि, अब तक समाधान नहीं निकल सका है। इन सब के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर का बड़ा बयान सामने आया है। एस जयशंकर ने साफ तौर पर कहा है कि भारत और चीन के संबंध तब तक सामान्य नहीं हो सकते जब तक कि सीमावर्ती इलाकों में शांति ना हो इसके। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले में भारत की ओर से उस देश को स्पष्ट संदेश दे दिया गया है। गलवान घाटी की झड़पों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2020 में जो हुआ वह ''एक पक्ष का प्रयास था, और हम जानते हैं कि वह कौन था, जो समझौते से अलग हटा था और यह मुद्दा सबसे अहम है।''

विदेश मंत्री ने कहा कि जब तक सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति का माहौल नहीं होगा, जब तक समझौतों का पालन नहीं किया जाता है और यथास्थिति को बदलने के एकतरफा प्रयास पर रोक नहीं लगती है तब तक संबंध सामान्य नहीं हो सकते हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या हमने तब से प्रगति की है? कुछ मायनों में, हां। टकराव वाले कई बिंदु थे। उन टकराव वाले बिंदुओं में, सेना द्वारा खतरनाक रूप से करीबी तैनाती थी, मुझे लगता है कि उनमें से कुछ मुद्दों को समान और आपसी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हल किया गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कुछ ऐसे मुद्दे भी हैं जिन पर अभी काम किये जाने की जरूरत है। यह महत्वपूर्ण है कि हम दृढ़ रहें और आगे बढ़ते रहें। क्योंकि आप यह नहीं कहते हैं कि यह जटिल या कठिन है।

विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई कि चीन को यह अहसास होगा कि वर्तमान स्थिति उसके हित में भी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले में भारत की ओर से चीन को दिया गया संकेत स्पष्ट है। वे इसे अपने हितों से तौलेंगे, लेकिन... यह सिर्फ जनता की भावना की बात नहीं है, और जनता की भावना मजबूत है..मुझे लगता है कि यह सरकार की नीति है, यह राष्ट्रीय सोच, जन भावना और रणनीतिक आकलन है। गौरतलब है कि जून 2020 में गलवान घाटी में भीषण झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो गया था। पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग

क्षेत्रों में गतिरोध को हल करने पर अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है, हालांकि दोनों पक्षों ने सैन्य और राजनयिक वार्ता के जरिये टकराव वाले बिंदुओं से सैनिकों को पीछे हटाया है।

हिमाचल में मतदान आज, चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद डोर टू डोर प्रचार में जुटे प्रत्याशी

-55 लाख से कुछ अधिक मतदाता पंजीकृत हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश में चुनाव प्रचार बंद होने के बाद विधानसभा चुनाव को लेकर जारी सियासी सरगर्मियां मंद पड़ गई हैं। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा की 68 सीटों के लिए एक ही चरण में 12 नवंबर को मतदान होना है। राज्य में गुरुवार शाम चुनाव प्रचार अभियान बंद हो गया है। मतदान के पहले अब विभिन्न दलों के प्रत्याशी डोर टू डोर प्रचार करने में जुट गए हैं।

हिमाचल प्रदेश में 55 लाख से कुछ अधिक मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 27 लाख 80 हजार पुरुष और 27 लाख 27 हजार महिलाएं हैं। राज्य में सरकारी कर्मचारी मतदाताओं की संख्या 67 हजार 532 है, वहीं 80 साल से ज्यादा उम्र के 1.22 लाख मतदाता हैं। इस पहाड़ी राज्य में 1184 मतदाता ऐसे हैं, जिनकी उम्र 100 साल से ज्यादा है।

वहीं, दूसरी ओर, गुजरात में विधानसभा की 182 सीटों के लिए 1 और 5 दिसंबर को मतदान

होगा। पहले चरण में 89 और दूसरे चरण में 93 सीटों के लिए मतदान किया जाएगा। दोनों राज्यों के चुनावी नतीजे 8 दिसंबर को घोषित होंगे। भाजपा ने 160 उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी ?है, जिसमें 2017 में चुनाव लड़ने वाले आधे लोगों को इस बार पार्टी ने दोबारा मौका नहीं किया है। राज्य की सत्ता में लंबे से मुख्य भूमिका निभाने वाले भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने सक्रिय राजनीति से संन्यास का फैसला किया है, जिनमें डिप्टी सीएम नितिन पटेल और पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के नाम प्रमुख हैं। रूपाणी सरकार में मंत्री रहे 8 अन्य नेताओं प्रदीप सिंह जाडेजा, भूपेंद्र सिंह चुडासमा, सौरभ पटेल, विभावरी दवे, बल्लभ काकड़िया, कौशिक पटेल, योगेश पटेल और आरसी फलदू ने चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है।

ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा पुराना मामला, हिंदू पक्ष से तीन हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आज ज्ञानवापी मामले को लेकर सुनवाई हुई। आज सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर में स्थित कथित शिवलिंग को सील रखने के अपने पिछले आदेश को बरकरार रखा है। इसके साथ ही अदालत ने इस मामले से संबंधित सभी पक्षों से 3 हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर वाराणसी में कथित 'शिवलिंग' की सुरक्षा के लिए अपने पहले के आदेश को बढ़ा दिया है। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय ने ज्ञानवापी विवाद से जुड़े मुकदमे में अपना पक्ष मजबूत बनाने के लिए हिंदू पक्षों को वाराणसी के जिला न्यायाधीश के समक्ष आवेदन करने की भी अनुमति दे दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने सर्वेक्षण आयुक्त की नियुक्ति के संबंध में उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली ज्ञानवापी मस्जिद समिति की याचिका पर हिंदू पक्षों से तीन सप्ताह में जवाब देने को कहा है। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने शिवलिंग (ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में) के सीलिंग आदेश को अगले आदेश तक बढ़ा दिया है। अदालत ने हमें मुस्लिम पक्ष की एक याचिका का जवाब देने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है।

100 करोड़ की रिश्वत, डिजिटल सबूत मिटाने की कोशिश, मनीष सिसोदिया ने 140 मोबाइन फोन नष्ट किए, शराब घोटाले में बड़ा दावा

मुंबई (एजेंसी)।

दिल्ली की विवादित शराब नीति को लेकर प्रवर्तन निदेशालय के दावे के बाद बीजेपी दिल्ली की आम आदमी पार्टी पर हमलावर हो गई है। बीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मनीष सिसोदिया पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले में कई परते खुलकर सामने आ रही हैं। शराब घोटाले में कल दो और आरोपी पकड़े गए। हैदराबाद से बिजनेसमैन को गिरफ्तार किया गया है। इसके तार शराब नीति से जुड़े हैं। शराब घोटाले को लेकर परत दर परत खुल रही हैं। उन्होंने कहा कि रिमांड लेटर हैं, जिसमें 2631 करोड़ का नुकसान हुआ।

बीजेपी नेता ने कहा कि जब ये पूरा विषय एक घोटाले के नाते आगे आने लगा और सीबीआई की जांच इस पर बैठा दी गई। तो आपको जानकर आश्चर्य होगा कि 140 मोबाइल फोन बदले गए। बीजेपी नेता ने कहा कि ये जो डिजिटल फूटप्रिंट्स होते हैं इन्हें ढकने के लिए लगभग 140 मोबाइल फोन 34 लोगों ने बदला है। इसमें आरोपी नंबर एक मनीष सिसोदिया हैं। मनीष सिसोदिया और उनके मित्रगण ने मिलकर ये शराब घोटाला किया, जब इस पर जांच बैठाई गई तो डिजिटल सबूत मिटाने के लिए 140 मोबाइल फोन बर्बाद किए गए। फिर नए खरीदे गए ताकि सबूत मिट सके।

बीजेपी नेता ने मोबाइल फोन दिखाते हुए कहा कि 140 मोबाइल फोन में मनीष सिसोदिया और उनकी टोली ने 1 करोड़ 20 लाख रुपये खर्च किए। जो सादगी की कसम खाते थे और गारंटी लेते थे कि राजनीति में नहीं आएंगे। बीजेपी ने कहा कि आबकारी नीति को 5 जुलाई, 2021 को सार्वजनिक किया गया था, लेकिन नीति की एक प्रति 31 मई, 2021 को मनीष सिसोदिया के दोस्तों को लीक कर दी गई थी जिसमें निर्माता और कार्टेल शामिल थे।

जो शिंदे-फडनवीस के आगे नहीं झुके, वे अपराधी बना दिए गए, महाराष्ट्र सरकार गिराने में ईडी ने निभाई अहम भूमिका

पार्टी मुखपत्र सामना में शिवसेना उद्धव बालासाहेब ने भाजपा पर बोला हमला

मुंबई (एजेंसी)।

पार्टी के मुखपत्र सामना में शिवसेना उद्धव बालासाहब ठाकरे ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। 'सामना' के पहले पृष्ठ पर केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों की तीखी आलोचना की गई है। शिवसेना के अखबार ने लिखा है कि देश में कानून का राज नहीं है। न्यायपालिका दबाव में है और केंद्रीय एजेंसियां गुलाम हो गई हैं। सामना में एजेंसियों की आलोचना करते हुए भाजपा नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सामना में कहा गया है कि महाराष्ट्र भाजपा के कम से कम 7 मंत्री, 15 विधायक और सांसद और पार्टी को वित्त मुहैया कराने वाले बिल्डरों के नाम कई अपराध दर्ज हैं। इनके खिलाफ जांच हो तो ये जेल जा सकते हैं, लेकिन अदालत ने खुद ही कहा है कि 'ईडी' आरोपियों का चयन करती है।

महाराष्ट्र में शिवसेना को बुलाने और सरकार गिराने के लिए 'ईडी' का इस्तेमाल किया गया था। जिन लोगों को 'ईडी' पहले गिरफ्तार करने जा रही थी, उन्हें शिवसेना छोड़ते ही क्लीन चिट दे दी गई। जो शिंदे-फडनवीस के आगे नहीं झुके, वे 'ईडी-सीबीआई' के अपराधी बन गए।

देश में कानून का राज नहीं है। न्यायिक प्रणाली दबाव में है और केंद्रीय व्यवस्था गुलाम हो गई है। संजय राउत की तरह एनसीपी नेता और राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख भी राजनीतिक साजिश के तहत जेल जा चुके हैं। महाराष्ट्र में 'ईडी' के कई मामले इस बात के गवाह हैं।

अखबार ने लिखा कि राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और उनके सहयोगी एक साल से अधिक समय से जेल में हैं। यह सब राजनीतिक साजिश के तहत किया जा रहा है। क्या राज्य के गृह मंत्री आपराधिक प्रकृति के पुलिस अधिकारियों को मुंबई-ठाणे में बार मालिकों से 100 करोड़ रुपये वसूलने का निर्देश दे सकते हैं? लेकिन ईडी और सीबीआई ने खुद अधिकारी की गवाही के आधार पर देशमुख के खिलाफ मामला तय किया, जो मुकेश अंबानी के घर के सामने विस्फोटक रखने की साजिश में आरोपी है। इस मामले में सबूत नष्ट करने के लिए अपने दोस्त तक की हत्या कर दी थी।

देश के 15 राज्यों में वर्षा का अलर्ट जारी, पहाड़ों पर बर्फबारी से बढ़ेगी सर्दी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में एक साथ मौसम के सभी रंग देखने को मिल रहे हैं। एक ओर जहां पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है, वहीं दूसरी ओर दक्षिण के राज्यों में बारिश देखी जा रही है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हो रही बर्फबारी के कारण उत्तर और मध्य भारत में गुलाबी ठंड का एहसास होने लगा है। दिन की धूप नरम पड़ने लगी है, वहीं रात का पारा गिर रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ को उत्तरी पाकिस्तान और इससे सटे जम्मू-कश्मीर पर पछुआ हवाओं में एक ट्रफ रेखा के रूप में देखा जा रहा है।

देश में सक्रिय मौसमी प्रणाली की बात करें तो, निजी वेदर एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक एक निम्न दबाव का क्षेत्र श्रीलंका तट के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना हुआ है। संबद्ध चक्रवाती परिसंचरण औसत समुद्र तल से 7।6 किमी तक फैला हुआ है। इसके और तेज होने और उत्तर पश्चिम दिशा में तमिलनाडु तट की ओर बढ़ने की संभावना है। एक ट्रफ रेखा बंगाल की मध्य खाड़ी से बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में कम दबाव के क्षेत्र से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण तक औसत समुद्र तल से 4.5 किमी ऊपर फैली हुई है।

अगले 24 घंटों के दौरान, तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। रायलसीमा और केरल में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर मध्यम बारिश हो सकती है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लक्षद्वीप में एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश संभव है। शुष्क और ठंडी उत्तर पश्चिमी हवाओं की शुरुआत के साथ 11 और 12 नवंबर को उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में न्यूनतम और अधिकतम तापमान गिर सकता है।

मौसम विभाग ने 13 नवंबर तक पुडुचेरी और कराईकल में गरज के साथ भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसके साथ ही असम, मणिपुर, मिजोरम समेत पूर्वोत्तर भारत के अन्य राज्यों में बारिश की संभावना जताई है। दिल्ली में आज भी एक्यूआई गंभीर श्रेणी में रहने का अनुमान है। पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश के आसार हैं। लद्दाख, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के साथ-साथ बर्फबारी जारी रहने का पूर्वानुमान है।

दरअसल, हिमालय के ऊपर बने पश्चिमी विक्षोभ के कारण जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊपरी इलाकों में पिछले एक सप्ताह से लगातार बर्फबारी और बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक पहाड़ी इलाकों में लगातार गिर रहे पारे का असर अगले कुछ दिनों में उत्तर

और मध्य भारत में देखने को मिलेगा। अगले दो से तीन दिनों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, बिहार, झारखंड, ओडिशा, वेस्ट बंगाल समेत देश के अन्य राज्यों में ठंड बढ़ने की उम्मीद।

मैक्सिको के बार में गोलीबारी में 9 लोगों की मौत, 2 घायल

मैक्सिको सिटी । सेंट्रल मैक्सिकन स्टेट गुआनाजुआतो के एक बार में दो गिरोहों के बीच हुई गोलीबारी में 9 लोगों की मौत हो गई है जबकि 2 लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि एक सशस्त्र समूह रात 9 बजे स्थानीय समयानुसार सेलेया के बाहर अपासियो एल आल्टो शहर में बार में पहुंचा और वहां मौजूद लोगों पर गोलियां बरसाने लगा। गुआनाजुआतो स्टेट पुलिस ने एक बयान में बताया कि गोलीबारी में 5 पुरुष और 4 महिलाएं मारी गईं हैं जबकि 2 अन्य महिलाएं घायल हुई हैं। घायलों की हालत स्थिर है।

हमलावरों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है, अधिकारियों ने बताया कि राज्य और संघीय अधिकारियों की इकाइयों के साथ-साथ नेशनल गार्ड को भी क्षेत्र में भेजा गया है। दो पोस्टर 'एक आपराधिक समूह की ओर इशारा करते हुए' घटनास्थल पर छोड़े गए थे। मैक्सिको में, कार्टेल अक्सर अन्य समूहों या अधिकारियों के लिए हत्याओं के बाद संदेश छोड़ते हैं। मैक्सिको का औद्योगिक केंद्र गुआनाजुआतो, हाल के वर्षों में कार्टेल के बीच टर्फ वार से बुरी तरह प्रभावित रहा है। पिछले महीने, इरापुआटो शहर में एक बार में हुई गोलीबारी में 12 लोगों की मौत हो गई थी। इसी शहर के पास बीते सितंबर में हुई एक गोलीबारी की घटना में 10 लोगों की मौत हो गई थी। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुआनाजुआतो में गत महीनों में यह गोलीबारी की यह तीसरी घटना है, जहां एक स्थानीय गिरोह जलिस्को कार्टेल के साथ युद्ध लड़ रहा है। इन सभी हमलों में आम बात यह रही है कि हमलावरों ने बार में वेट्रेस सहित सभी को मारने की कोशिश की है। अपासियो एल आल्टो कस्बे में बुधवार रात हुए हमले में हमलावरों ने बार के खून से लथपथ फर्श पर हाथ से लिखे पोस्टर छोड़े थे। संदेशों पर सांता रोजा डी लीमा गिरोह के हस्ताक्षर थे, जिसका लीडर 'मैरो' या स्लेजहैमर के नाम से जाना जाता है और फिलहाल जेल में बंद है। संदेश बार के मालिकों पर प्रतिद्वंद्वी जलिस्को कार्टेल का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए दिखाई दिए। गुआनाजुआतो स्थित सुरक्षा विश्लेषक डेविड सॉसेडो ने बताया ये हमले कुछ चिन्हित बार को टारगेट करते हुए किए गए हैं, जिनके मालिकों ने प्रोटेक्शन मनी देने से इनकार कर दिया था या प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के ड्रग्स को बेच रहे थे। कुछ हमले ड्रग डीलरों, लुकआउट्स या कार्टेल सदस्यों को मारने के लिए किए गए हैं, जो बार में रात बिता रहे थे। लेकिन यह नरसंहार की तरह है, क्योंकि वे वेट्रेस और ग्राहकों को भी मार देते हैं। ऐसे संकेत हैं कि मैक्सिको के सबसे हिंसक राज्य गुआनाजुआतो में संघर्ष अब 2 सबसे शक्तिशाली ड्रग कार्टेल के बीच एक छद्म लड़ाई बन गया है। सिनालोआ कार्टेल अब जलिस्को के खिलाफ अपनी लड़ाई में सांता रोजा डी लीमा गिरोह का समर्थन करता हुआ प्रतीत होता है।

काबुल में पार्क और मेलों में महिलाओं को नो एंट्री

काबुल । अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का आतंक बढ़ता ही जा रहा है।तालिबानी सरकार ने नया आदेश जारी किया है। जिसके तहत सार्वजनिक पार्क और मेलों में महिलाओं के जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। महिलाएं अपने बच्चों के साथ भी पार्क और मेलों में नहीं जा सकेंगी।

तालिबानी सरकार ने कहा है कि पार्क और मेले में महिलाएं बिना हिजाब के दिख रही थी। इसलिए यह प्रतिबंध लगाने का फरमान जारी किया गया है। इस फरमान के बाद से काबुल के पार्क सूने हो गए हैं। उल्लेखनीय है, कि महिलाएं किसी पुरुष साथी के बिना घर से बाहर भी नहीं निकल सकती हैं। अफगानिस्तान में पिछले 1 साल से लड़कियों के ज्यादातर स्कूल बंद पड़े हुए हैं।

ब्रसेल्स में संदिग्ध आतंकी हमला, पुलिस अधिकारी की मौत

ब्रसेल्स। बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स में चाकू से किए हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी तथा एक अन्य घायल हो गया। बेल्जियम के एक न्यायिक अधिकारी ने बताया कि इसके आतंकवादी हमला होने का संदेह है। यह हमला शाम करीब सवा सात बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध हमलावर को गोली मार दी गयी। उसने कहा, ''चाकू लेकर एक व्यक्ति ने हमारे एक गश्ती दल पर हमला कर दिया। इसके बाद दो पुलिस अधिकारियों ने अतिरिक्त बल को बुलाया। एक अन्य गश्ती दल के एक अधिकारी ने हमलावर को ढेर करने के लिए गोली चलायी।'' पुलिस ने कहा, ''दो घायल कर्मियों तथा हमलावर को अस्पताल में भर्ती कराया गया।'' एक न्यायिक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि ''ऐसा संदेह है कि यह आतंकी हमला हो सकता है।'' बेल्जियम की मीडिया के अनुसार, हमलावर ने चिल्लाकर ''अल्लाह अकबर'' कहा। 'ले सोइर' अखबार के मुताबिक, मृतक पुलिस अधिकारी को गर्दन में चाकू घोंपा गया तथा उसकी अस्पताल में मौत हो गयी।

चीन में कोविड-19 के 10,000 नए मामले, बीजिंग में पार्क बंद, पाबंदियां लागू

बीजिंग। चीन में कोविड-19 की नयी लहर के बीच राजधानी बीजिंग में सिटी पार्क को बंद कर दिया गया है और अन्य पाबंदियां लगा दी गई हैं। इसके अलावा, दक्षिणी शहर गुआंगझू एवं पश्चिमी मेगासिटी चोंगकिंग में 50 लाख से अधिक लोग शुक्रवार को लॉकडाउन में रहे। देश में शुक्रवार को कोविड-19 के 10,729 मामले दर्ज किए गए। इनमें से लगभग सभी लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है, जबकि उनमें संक्रमण का कोई लक्षण नहीं है। बीजिंग के 2.1 करोड़ लोगों की दैनिक जांच के साथ इस बड़े शहर में 118 और नए मामले दर्ज किए गए। शहर के कई स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई शुरू हो गई है, अस्पतालों ने सेवाओं को सीमित कर दिया है और कुछ दुकानें एवं रेस्टोरेंट बंद हैं तथा उनके कर्मचारी पृथक-वास में हैं। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कुछ इलाकों में लोग प्रदर्शन करते और पुलिस एवं स्वास्थ्य कर्मियों से लड़ते दिख रहे हैं। चीन के नेताओं ने बृहस्पतिवार को देश के ''शून्य-कोविड-19'' नीति को लेकर लोगों की नाराजगी पर जवाब देने का वादा किया था। इस नीति के कारण लाखों लोगों को अपने-अपने घरों में बंद होना पड़ता है तथा इससे अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर असर पड़ता है।

यूक्रेन को 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त सैन्य सहायता भेज रहा है अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन नीत सरकार यूक्रेन को सैन्य सहायता के रूप में और 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर भेज रही है। अमेरिका ने यह सहायता कांग्रेस (संसद) पर रिपब्लिकन का नियंत्रण होने पर रूस के खिलाफ युद्ध के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता में कमी किए जाने की आशंका के बीच घोषित की है। गौरतलब है कि मंगलवार को हुए मध्यवधि चुनाव के बाद वोटों की गिनती अभी जारी है और रिपब्लिकन पार्टी धीरे-धीरे सदन में बहुमत की ओर बढ़ रही है। वहीं, सीनेट में किसका बहुमत होगा यह एरिजोना, नेवादा और जॉर्जिया के चुनाव परिणामों पर निर्भर करेगा। पेंटागन के अनुसार, इस सैन्य सहायता पैकेज में भारी मात्रा में हथियार और पहली बार चार अत्यंत सचल एवेंजर एयर डिफेंस सिस्टम भेजे जाएंगे। इस पैकेज में 'हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम' उर्फ एचआईएमएआरएस भी शामिल होगा। यूक्रेन रूस के खिलाफ युद्ध में इसका सफलतापूर्वक उपयोग कर रहा है। अधिकारी के अनुसार, पैकेज में जमीन से हवा में मार करने वाले एंटी-एयरक्राफ्ट प्रणाली हॉक के स्टिंगर मिसाइलें, 10,000 मोर्टार गोले, होवित्जर तोपों के हजारों गोले, 400 ग्रेनेड लांचर, 100 हम्वीज, सर्दियों के लिए सेना की वर्दी, बंदूकों और राइफलों के लिए दो करोड़ गोलियां शामिल होंगी। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने कहा कि नये सहायता पैकेज में महत्वपूर्ण हवाई रक्षा सामग्री शामिल होगी। अमेरिकी अधिकारियों ने आज बताया कि यूक्रेन को भेजने के लिए अमेरिका दक्षिण कोरिया से होवित्जर तोपों के 1,00,000 गोले खरीदेगा। इस संबंध में समझौते के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सरकारों के बीच लंबे समय से चर्चा चल रही थी।

इजरायल और अमेरिका के लिए खतरे की घंटी! ईरान ने बनाया हाइपरसोनिक मिसाइल

ईरान ने एक हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का निर्माण किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के एयरोस्पेस कमांडर ने दावा किया है कि ईरान ने एक हाइपरसोनिक बैलेस्टिक मिसाइल क्षमता विकसित किया है। इस मिसाइल की गति तेज है और यह वातावरण के अंदर और बाहर पैंतरेबाजी कर सकती है। यह दुश्मन के एडवांस एंटी मिसाइल सिस्टम को भी निशाना बना सकता है। मिसाइलों के क्षेत्र में इसे एक लंबी छलांग माना जा रहा है। हाइपरसोनिक मिसाइलें ध्वनि की गति से कम से कम पांच गुना तेज और एक जटिल प्रक्षेपवक्र पर उड़ सकती हैं, जिससे उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। हालाँकि, ईरान द्वारा इस तरह की मिसाइल के परीक्षण की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है और, जबकि इस्लामिक गणराज्य ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण एक बड़ा घरेलू हथियार उद्योग विकसित किया है, पश्चिमी सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि ईरान कभी-कभी अपनी हथियार क्षमताओं को बढ़ा-चढ़ा कर पेश करता है। पिछले हफ्ते, ईरान ने कहा कि उसने अपने पहले तीन चरणों वाले अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान, घेम 100 का परीक्षण किया था। अगर इजरायल का दावा सही है तो फिर ये उसके दुश्मनों अमेरिका और इजरायल के लिए बड़े खतरे की घंटी हो सकता है।

गाजा में फिलिस्तनी नेता यासिर अराफात को याद करते हुए लोग।

अमेरिकी मध्याविधि चुनाव में पांच भारतीय-अमेरिकी सांसद ने जीत दर्ज की

वाशिंगटन। अमेरिकी की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के पांच भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और एमी बेरा ने मध्यावधि चुनाव में जीत दर्ज कर अमेरिकी की प्रतिनिधि सभा में अपनी जगह बना ली है। कई भारतीय-अमेरिकियों ने राज्य विधायिका चुनाव में भी जीत दर्ज की। भारतीय-अमेरिकी उद्यमी एवं राजनेता श्री थानेदार मिशिगन से कांग्रेस के लिए चुनाव जीतने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी बने। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार मार्टेल ब्रिविंग्स को मात दी। थानेदार (67) अभी मिशिगन के तीसरे जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। इलिनॉयस के आठवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में राजा कृष्णमूर्ति (49) ने लगातार चौथी बार जीत दर्ज की। उन्होंने रिपब्लिकन के क्रिस डार्गिस को मात दी। कैलिफोर्निया के 17वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में भारतीय-अमेरिकी रो खन्ना (46) ने रिपब्लिकन के रितेश टंडन को मात दी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में इकलौती भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल (57) ने रिपब्लिकन के क्लिफ मून को वाशिंगटन के सातवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में मात दी। कांग्रेस में सबसे लंबे समय तक सेवाएं दे रहे एमी बेरा (57) ने कैलिफोर्निया के सातवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में रिपब्लिकन की टामिका हैमल्टन को मात दी। राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और एमी बेरा पिछले सदन का भी हिस्सा थे। राज्य विधायीकाओं में भी भारतीय-अमेरिकियों ने जीत दर्ज की।

भारत-अमेरिका संबंधों को एक नई गति मिली है, हमारी रणनीतिक साझेदारी गहरी हुई : संधू

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों को एक नई गति मिली है। संधू ने यहां एक थिंक टैंक से कहा कि भारत और अमेरिका के बीच निरंतर उच्च-स्तरीय राजनीतिक जुड़ाव साझेदारी को और गहरा करने के लिए दोनों पक्षों के द्विदलीय समर्थन का संकेत देता है। उन्होंने कहा, ''हमारे एक नेता ने कुछ समय पहले हमारे द्विपक्षीय संबंधों के उदय (सूर्योदय) के क्षण के बारे में बात की थी। सूर्योदय सुंदर होता, उम्मीद से भरा होता है और अपने साथ बहुत सारी सकारात्मक ऊर्जा लाता है। हमारे द्विपक्षीय संबंध उसी मोड़ पर हैं।'' संधू ने 'कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस' थिंक-टैंक में कहा, '' अगर आपको लगता है कि चिंता की कोई बात नहीं है तो यह क्षण बीतने वाला है। वह हमारा इंतजार नहीं करेगा। हमें इस मौके का फायदा उठाना होगा।'' वैश्विक प्रगति और अमेरिका-भारत के संबंधों के भविष्य पर थिंक टैंक के सदस्य एशले टेलिस के साथ हुई बातचीत में संधू ने कहा कि दोनों देशों के संबंधों में ''निस्संदेह'' काफी प्रगति हुई है।

उन्होंने कहा, '' मुझे यहां दो चीजों पर बात करनी है। पहली कि हमारी रणनीतिक साझेदारी गहरी हुई है। दूसरी हमारी द्विपक्षीय साझेदारी समग्र रूप से व्यापक हुई है।'' संधू ने कहा, ''अगर मैं अपनी टीम से कहूं कि (अमेरिका के) राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच आमने-सामने तथा ऑनलाइन माध्यम से कितनी मुलाकात हुई हैं यह बताएं तो वे तुरंत अपने हाथ उठाएंगे। ऐसा ही विदेश मंत्री और अन्य मंत्रियों के बीच हुई मुलाकातों को लेकर भी है।'' उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय मोर्चे पर सामरिक व रक्षा संबंधों को मजबूत करना महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

वायरस वाली साजिश रच रहे चीन-पाकिस्तान? कोरोना की तुलना में कहीं बड़े पैमाने पर रावलपिंडी रिसर्च सेंटर में बन रहा बायो वेपन

बीजिंग (एजेंसी)।

जिस वुहान वायरस के विस्फोट से वैश्विक आपदा गई थी। जिस संक्रमण के आक्रमण से समूची दुनिया तड़प उठी थी। जिसको रोना की कोहराम से पाकिस्तान महीनों तक त्राहिमाम त्राहिमाम करता रहा। इस महामारी ने 66 लाख से ज्यादा जिंदगी छीन ली। कुछ वैसा ही विषाणु विकसित हो रहा है। चीन के इस पाप का भागीदार उसका आर्थिक गुलाम पाकिस्तान बन रहा है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन और पाकिस्तान मिलकर घातक वायरस को डिवेलप कर रहे हैं।

जब समूची दुनिया बारूदी तनाव से जूझ रही है तब तक चीन और पाकिस्तान फिर वायरस वाली साजिश रच रहे हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि पाकिस्तान में चीन बायोवेपन तैयार कर रहा है। पड़ोसी मुल्क की यह लैब बेहद गुप्त तरीके से बायोवेपन के प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। रिपोर्ट की मानें तो इस्लाम में कोरोना से हजार गुना ज्यादा घातक वायरस तैयार किया जा रहा है। यह दुनिया के लिए बहुत बड़ी चेतावनी है। वायरस पर सर्च पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित एक रिसर्च सेंटर में हो रहा है।

जिओ पॉलिटिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक वुहान इंस्टीट्यूट आफ वायरोलॉजी के साथ पाकिस्तानी सेना के डिफेंस साइंस टेक्नोलॉजी ऑर्गेनाइजेशन ने एक एडवांस साइंटिफिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है। इस लैब की लोकेशन को कड़ाई से छिपाकर रखा गया है। कई ग्लोबल रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन पाकिस्तान में ऐसे वायरस बना रहा है, जिसमें कोरोना की तुलना में कहीं बड़े पैमाने पर फैलने और बीमारी पैदा करने की क्षमता है।

बाइडेन-मोदी के बीच रचनात्मक और व्यावहारिक संबंध, अमेरिकी एनएसए ने कही ये बड़ी बात

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडेन साझा हित साझा करते हैं और दोनों नेताओं के बीच संबंध उत्पादक और व्यावहारिक हैं। अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन की टिप्पणी बाली में जी20 शिखर सम्मेलन में मोदी और बाइडेन के बीच द्विपक्षीय बैठक से पहले आई है। शिखर सम्मेलन से इतर पीएम मोदी ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के साथ भी बातचीत कर सकते हैं।

सुलिवान ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि मैं बताना चाहूंगा कि राष्ट्रपति बाइडेन के पदभार संभालने से पहले प्रधानमंत्री मोदी व्हाइट हाउस के करीब रहे हैं और दोनों को कई बार मुलाकात करने और फोन पर और वीडियो कॉल पर बात करने का चांस मिला है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने कहा कि दोनों नेताओं ने अहम मुद्दों पर साझा हित जताए हैं तथा अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक साथ मिलकर काम किया है।

एलन मस्क ने जताई ट्विटर के दिवालिया होने की आशंका, विज्ञापनदाताओं से बढ़ी दूरी

वाशिंगटन (एजेंसी)।

ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर के दिवालिया होने की आशंका जताई है। अरबपति मस्क ने ट्विटर के कर्मचारियों से कॉल पर कहा कि कंपनी के दिवालिया होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। दुनिया के नंबर एक कारोबारी एलन मस्क ने दो हफ्ते पहले ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदा था।

क्रेडिट विशेषज्ञों ने तभी कहा था कि इस महंगे सौदे का ट्विटर की वित्तिय स्थिति पर असर पड़ सकता है। ट्विटर के दो बड़े कार्यकारियों योएल रोथ और रॉबिन व्हीलर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने मस्क के साथ ट्विटर स्पेस चैट को मॉडरेट किया, जहां विज्ञापनदाताओं के दूर होने की चिंताओं को शांत करने की कोशिश की गई। बताया जा रहा है कि रोथ और व्हीलर ने इसे लेकर पूछे गए सवालों पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले गुरुवार को ट्विटर की चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर ली किसनेर ने ट्वीट करके बताया था कि वह अपने पद से इस्तीफा दे रही हैं। इतना ही नहीं चीफ प्राइवेसी ऑफिसर डैमिन किरान और मुख्य अनुपालन अधिकारी मैरिएन फोगार्टी भी कंपनी से इस्तीफा दे चुके हैं। इन इस्तीफों ने भी ट्विटर की खस्ता वित्तीय हालत की ओर इशारा किया है। अमेरिकी फेडरल ट्रेड कमीशन का कहना है कि इन प्राइवेसी और अनुपालन अधिकारियों के इस्तीफे के बाद वह ट्विटर पर नजर रखे हुए है। इन इस्तीफों ने ट्विटर को रेगुलेटरी ऑर्डर के उल्लंघन के जोखिम में डाल दिया है। गुरुवार को ट्विटर कर्मचारियों के साथ मस्क की पहली बैठक हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस दौरान उन्होंने कहा कि कंपनी को अगले साल अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। हालांकि, ट्विटर की ओर से संभावित दिवालिएपन, एफटीसी चेतावनी या इस्तीफों को लेकर पूछे गए सवाल पर कोई जवाब नहीं आया है।

ट्विटर की भारतीय यूनिट को 31 मार्च, 2022 को समाप्त हुए वित्तिय वर्ष में करीब 32 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। ट्विटर इंडिया ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में 7.76 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी का कर्मचारी खर्च 2020-21 में 43.25 करोड़ रुपए से रिपोर्ट किए गए वित्तीय वर्ष के दौरान तीन गुना बढ़कर 136.81 करोड़ रुपए हो गया था। हालांकि, ट्विटर इंडिया का राजस्व वित्त वर्ष 2021-22 में लगभग 82 प्रतिशत बढ़कर 156.75 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 86.36 करोड़ रुपये था। दरअसल, मस्क के सौदे ने ट्विटर को निजी बना दिया है। प्लेटफॉर्म के बोर्ड को भंग कर दिया गया और सीईओ के रूप में उनकी एकतरफा शक्ति को बढ़ाया गया है। मस्क के पास ट्विटर का मालिकाना आते ही विज्ञापन देने वाले दूर जाने लगे।

तुषार मेहता ने कहा कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे और रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाते हुए कहा कि पूरा केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और लद्दाख हमेशा उसका अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था और रहेगा। साथ ही भारत ने कहा कि 2019 में संवैधानिक बदलाव के बाद क्षेत्र के लोग अब देश के अन्य हिस्सों की तरह अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने में सक्षम हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में 7-18 नवंबर तक आयोजित सार्वभौमिक सामयिक समीक्षा (यूपीआर) कार्यकारी समूह के 41वें सत्र को संबोधित करते हुए भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंच पर कश्मीर राग छेड़ने को लेकर पाकिस्तान की खिंचाई की। मेहता ने यूएनएचआरसी में कहा, ''समूचा केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और लद्दाख हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था और रहेगा।'' यूएनएचआरसी में भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड की सार्वभौमिक सामयिक समीक्षा की जा रही है। मेहता ने कहा कि तत्कालीन जम्मू कश्मीर राज्य के संवैधानिक परिवर्तन और पुनर्गठन के बाद, क्षेत्र के लोग अब देश के अन्य हिस्सों की तरह अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने में सक्षम हैं।

मेहता की प्रतिक्रिया पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा समीक्षा प्रक्रिया में अपनी टिप्पणी के दौरान जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने के बाद आई है। पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने अगस्त 2019 से उठाए गए कदमों को उलटने और क्षेत्र में स्वतंत्र पर्यवेक्षकों तक पहुंच सहित छह सिफारिशें कीं। यूपीआर के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे मेहता ने कहा, ''सीमा पार आतंकवाद के लगातार खतरे के बावजूद अगस्त 2019 से जम्मू कश्मीर में सुरक्षा स्थिति में काफी सुधार हुआ है।'' भारत ने पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द कर दिया और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया। मेहता ने कहा कि भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर के सर्वांगीण विकास के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की बहाली, सुशासन, बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विकास, पर्यटन और व्यापार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस साल जम्मू कश्मीर में 1.6 करोड़ से अधिक पर्यटक आ चुके हैं, जो ''अब तक की सबसे अधिक'' संख्या है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में 800 से अधिक जन हितैषी और प्रगतिशील केंद्रीय कानूनों के विस्तार ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख के सभी लोगों के लिए बेहतर अवसर सुनिश्चित किए हैं। मेहता ने कहा, ''इन केंद्रीय कानूनों में कमजोर वर्गों के लिए सकारात्मक कार्रवाई, मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, गैर-भेदभावपूर्ण कानून, घरेलू हिंसा के खिलाफ सुरक्षा और महिलाओं का सशक्तिकरण, समान लिंग संबंधों के अपराधीकरण तथा ट्रांसजेंडर लोगों को अधिकार प्रदान करना शामिल है।

संपादकीय

डॉक्टरी को ठगी का धंधा न बनाएँ

यदि डॉक्टरी की पढ़ाई पांच साल की है तो उन्हें सवा करोड़ रु. भरने पड़ेंगे। आप ही बताइए कि देश में कितने लोग ऐसे हैं, जो सवा करोड़ रु. खर्च कर सकते हैं? लेकिन चाहे जो हो, उन्हें बच्चों को डॉक्टर तो बनाना ही है।

(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

कर्नाटक और गुजरात के मेडिकल कॉलेजों ने गज़ब कर दिया है। उन्होंने अपने छात्रों की फीस बढ़ाकर लगभग दो लाख रु. प्रति मास कर दी है। याने हर छात्र और छात्रा को डॉक्टर बनने के लिए लगभग 25 लाख रु. हर साल जमा करवाने पड़ेंगे। यदि डॉक्टरी की पढ़ाई पांच साल की है तो उन्हें सवा करोड़ रु. भरने पड़ेंगे। आप ही बताइए कि देश में कितने लोग ऐसे हैं, जो सवा करोड़ रु. खर्च कर सकते हैं? लेकिन चाहे जो हो, उन्हें बच्चों को डॉक्टर तो बनाना ही है। तो वे क्या करेंगे? बैंकों, निजी संस्थाओं, सेठों और अपने रिश्तेदारों से कर्ज लेंगे, उसका ब्याज भी भरेंगे और बच्चों को किसी तरह डॉक्टर की डिग्री दिला देंगे। फिर वे अपना कर्ज कैसे उतारेंगे? या तो वे कई गैर-कानूनी हथकंडों का सहारा लेंगे या उनका सबसे सादा तरीका यह होगा कि वे अपने डॉक्टर बने बच्चों से कहेंगे कि तुम मरीजों को ठगो। उनका खून चूसो और कर्ज चुकाओ। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए आजकल निजी अस्पतालों में जबर्दस्त लूट-पाट मची हुई है। उनके कमरे पांच सितारा होटलों के कमरों से भी ज्यादा सजे-धजे होते हैं। किसी मरीज़ की एक बीमारी के कारण का पता करने के लिए डॉक्टर लोग दर्जनों 'टेस्ट' करवा देते हैं। और फिर दवाइयां भी ऐसी बता देते हैं, जिससे रोगी का रोग द्रौपदी का चीर बन जाए ताकि उससे मोटी राशि वसूली जा सके। हमारे डॉक्टर अपना धंधा शुरु करने के पहले यूनानी दार्शनिक के नाम से चली 'हिप्पोक्रेटिक शपथ' लेते हैं, जिसमें आदर्श और नैतिक आचरण की ढेरों प्रतिज्ञाएं हैं। क्या वे उनका पालन सच्चे मन से कभी करते हैं? उनके उल्लंघन से ही उनका पालन ज्यादातर डॉक्टर करते हैं। उन डॉक्टरों की पढ़ाई की यह लाखों रु. फीस इस उल्लंघन का सबसे पहला कारण है। हमारे सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर घोर आपत्ति की है। उसने एक याचिका पर अपना फैसला देते हुए कहा है कि जिन कॉलेजों ने अपनी फीस में कई गुना वृद्धि कर दी है, यह शुद्ध लालच का प्रमाण है। यह कॉलेज के प्रवेश और फीस-निर्णायक नियमों का सरासर उल्लंघन है। इस तरह की फीस के दम पर बने डॉक्टरों से सेवा की उम्मीद करना निरर्थक है। इसका एक गंभीर दुष्परिणाम यह भी होगा कि गरीब, ग्रामीण और मेहनतकश तबकों के बच्चे डॉक्टरी शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। वे इतनी मोटी फीस कैसे भरेंगे? नतीजा यह होगा कि हमारे डॉक्टरों में ज्यादा वही होंगे, जिनके माता-पिता ऊँची जातियों के होंगे, मालदार होंगे, शहरी होंगे और शिक्षित होंगे। इस तरह के वर्गों से आनेवाले युवा डॉक्टरों में सेवा का विनम्र भाव कितना होगा, इसका अंदाज आप स्वयं लगा सकते हैं।

सूक्ति

स्वतंत्र वही हो सकता है जो अपना काम अपने आप कर लेता है।
- विनोबा भावे

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं।
- कहावत

लॉफिंग ज़ोन

सड़क पर एक आदमी बेहोश होकर गिर गया, तो चारों ओर भीड़ लग गई. एक साहब चिल्लाए, अरे इसके मुंह मे थोड़ी-सी ब्रांडी डाल दो.

उन्होंने अपनी बात दो-तीन बार दोहराई, लेकिन शोरगुल में आवाज दब गई. थोड़ी देर बाद बेहोश होकर गिरने वाला आदमी उठा और यह कहकर फिर गिर गया कि अरे कोई उसकी बात भी सुन लो जो ब्रांडी पिलाने की बात कह रहा था.

☺ ☺ ☺

एक नेता को फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में आमंत्रित किया गया. बाद में विजेता टीम को पुरस्कार देने के बाद उन्होंने अपने छोटे से भाषण में कहा- 'बड़े अफसोस की बात है कि इतने बड़े देश में इतनी सारी टीम होते हुए भी फाइनल में एक ही टीम पहुंच सकी. हम खेल के स्तर मे सुधार की कोशिश करेंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा टीम फाइनल में पहुंच सके.

☺ ☺ ☺

फिल्म की शूटिंग चल रही थी. जंगल का दृश्य था. निर्देशक ने अभिनेता से कहा- देखो, यह चीता पलटकर तुम्हारी ओर झपटेगा, तुम्हें तुरंत जीप से कूदकर उससे भिड़ जाना है. समझ गए न?

'हां, मै तो समझ गया', अभिनेता ने मुस्कराते हुए कहा- पर क्या चीता समझ गया है कि उसे क्या करना है?

राष्ट्रीय पक्षी दिवस

एक गौरैया की गरदन के पीले धब्बों की जिज्ञासा उन्हें मुंबई की 'नैचुरल हिस्ट्री सोसाइटी' के सचिव डब्ल्यू. एस. मिलार्ड के पास ले गई। यह मुलाक़ात उनके जीवन का एक अहम् मोड़ साबित हुई। सालिम को पहली बार पक्षियों की इतनी सारी प्रजाति होने की जानकारी हुई।

लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

प्रत्येक वर्ष '12 नवम्बर' को भारत में राष्ट्रीय पक्षी दिवस मनाया जाता है। 12 नवम्बर (1896) डॉ. सलीम अली का जन्म दिवस है, जो कि विश्वविख्यात पक्षी विशेषज्ञ थे। उन्हें भारत में 'पक्षी मानव' के नाम से भी जाना जाता था। पद्मविभूषण से नवाजे गये परिंदों के इस मसीहा को प्रकृति संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए कभी भुलाया नहीं जा सकता है। सालिम अली एक भारतीय पक्षी विज्ञानी और प्रकृतिवादी थे। सालिम अली को भारत के बर्डमैन के रूप में जाना जाता है। सलीम अली भारत के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत भर में व्यवस्थित रूप से पक्षी सर्वेक्षण का आयोजन किया और पक्षियों पर लिखी उनकी किताबों ने भारत में पक्षी-विज्ञान के विकास में काफ़ी मदद की है। सन् 1906 में दस वर्ष के बालक सालिम अली की अटूट जिज्ञासा ने ही पक्षी शास्त्री के रूप में उन्हें आज विश्व में मान्यता दिलाई है। पक्षियों के सर्वेक्षण में 65 साल गुजार देने वाले इस शख़्स को परिंदों का चलता फिरता विश्वकोष कहा जाता था। पद्म विभूषण से नवाजे इस 'परिंदों के मसीहा' के प्रकृति संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। भारत के बर्डमैन डॉ. सालिम मोइज़ुद्दीन अब्दुल अली का जन्म 12 नवम्बर, 1896 को बॉम्बे (अब मुम्बई), ब्रिटिश इंडिया में एक सुलेमानी बोहरा मुस्लिम परिवार में हुआ। ये अपने भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। इनके जन्म के एक वर्ष बाद पिता मोइज़ुद्दीन का और तीन वर्ष बाद माता ज़ीनत-अन-नीसा का देहांत हो गया। उनकी परवरिश मामा अमरुद्दीन और औलादहीन मामी हमीदा बेगम की देखरेख में खेतवाड़ी, मुंबई में एक मध्यम-वर्गीय परिवार में हुई। इनका सारा बचपन चिड़ियों के बीच ही गुजरा। एक गौरैया की गरदन के पीले धब्बों की जिज्ञासा उन्हें मुंबई की 'नैचुरल हिस्ट्री सोसाइटी' के सचिव डब्ल्यू. एस. मिलार्ड के पास ले गई। यह मुलाक़ात उनके जीवन का एक अहम् मोड़ साबित हुई। सालिम को पहली बार पक्षियों की इतनी सारी प्रजाति होने की जानकारी हुई। यहीं से उनका झुकाव परिंदों की ओर हुआ और उन्होंने इनके बारे में सब कुछ जानने की ठान ली। इसके लिए मिलार्ड ने उनकी बहुत मदद की। उन्होंने सालिम को सोसाइटी के पक्षियों के संग्रह से परिचित कराया। साथ ही पक्षियों से संबंधित कुछ पुस्तकों से भी अवगत कराया। एडवर्ड हैमिल्टन ऐटकेन की पुस्तक 'कॉमन बर्ड्स ऑफ़ बॉम्बे' ने सालिम को पक्षियों के संग्रह के लिए प्रेरित किया। सालिम के पास विश्वविद्यालय की डिग्री नहीं थी। इसका सबसे बड़ा कारण था उनका गणित में कमज़ोर होना। हालांकि कॉलेज में उन्होंने शिक्षा प्राप्त की थी, लेकिन डिग्री नहीं ले पाए थे। सालिम अली की बचपन से ही प्रकृति के स्वच्छन्द वातावरण में घूमने की रुचि रही। इसी कारण वे अपनी पढ़ाई भी पूरी तरह से नहीं कर पाये। बड़ा होने पर सालिम अली को बड़े भाई के साथ उसके काम में मदद करने के लिए बर्मा (वर्तमान म्यांमार) भेज दिया गया। यहाँ पर भी इनका मन जंगल में तरह-तरह के परिन्दों को देखने में लगता। घर लौटने पर सालिम अली ने पक्षी शास्त्री विषय में प्रशिक्षण लिया और बंबई के 'नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी' के म्यूज़ियम में गाइड के पद पर नियुक्त हो गये। फिर जर्मनी जाकर इन्होंने उच्च प्रशिक्षण प्राप्त किया। लेकिन एक साल बाद देश लौटने पर इन्हें ज्ञात हुआ कि इनका पद ख़त्म हो चुका है। इनकी पत्नी के पास थोड़े-बहुत पैसे थे। जिसके कारण बंबई बन्दरगाह के पास किहिम नामक स्थान पर एक छोटा सा मकान लेकर सालिम अली रहने लगे। यह मकान चारों तरफ़ से पेड़ों से घिरा हुआ था। उस साल वर्षा ज़्यादा होने के कारण इनके घर के पास एक पेड़ पर बया पक्षी ने घौंसला बनाया। सालिम अली तीन-चार माह तक बया पक्षी के रहने-सहने का अध्ययन रोज़ाना घंटों करते रहते।

बर्डमैन ऑफ़ इंडिया

डॉ सलीम अली ने अपना पूरा जीवन पक्षियों के लिए समर्पित कर दिया। ऐसा माना जाता है कि सलीम मोइज़ुद्दीन अब्दुल अली परिंदों की ज़ुबान समझते थे और इसी खूबी की वजह से उन्हें बर्डमैन ऑफ़ इंडिया कहा गया। उन्होंने पक्षियों के अध्ययन को आम जनमानस से जोड़ा और कई पक्षी विहारों की तामीर में सबसे आगे रहे। कोयम्बटूर स्थित 'सालिम अली पक्षी विज्ञान एवं प्रकृति विज्ञान केंद्र' (एसएसीओएन) के निदेशक डॉक्टर पी.ए. अजीज ने बताया सालिम अली एक दूरदर्शी व्यक्ति थे। उन्होंने पक्षी विज्ञान में बहुत बड़ा योगदान दिया। कहा जाता है कि वह पक्षियों की भाषा बखूबी समझते थे।

लेखन कार्य

सन 1930 में इन्होंने अपने अध्ययन पर आधारित लेख प्रकाशित कराये। इन लेखों के कारण ही सालिम अली को 'पक्षी शास्त्री' के रूप में मान्यता प्राप्त हुई। सालिम अली ने कुछ पुस्तकें भी लिखी हैं। सालिम अली जगह जगह जाकर परिंदों के बारे में जानकारी एकत्र करते रहते थे। एकत्र जानकारियों के आधार पर तैयार हुई उनकी पुस्तक 'द बुक ऑफ़ इंडियन बर्ड्स' ने 1941 में प्रकाशित होने के बाद रिकॉर्ड बिक्री की। यह पुस्तक परिंदों के बारे में जानकारियों का महासमुद्र थी। उन्होंने एक दूसरी पुस्तक 'हैण्डबुक ऑफ़ द बर्ड्स ऑफ़ इंडिया एण्ड पाकिस्तान' भी लिखी, जिसमें सभी प्रकार के पक्षियों, उनके गुणों-अवगुणों, प्रवासी आदतों आदि से संबंधित अनेक व्यापक जानकारियां दी गई थी। इसके अलावा उनकी लिखी पुस्तक 'द फाल ऑफ़ ए स्पैरो' भी महत्त्वपूर्ण है, जिसमें उन्होंने अपने जीवन की घटी घटनाओं का ज़िक्र किया है।

विशेष योगदान

'बर्लिन विश्वविद्यालय' में उन्होंने प्रसिद्ध जीव वैज्ञानिक इरविन स्ट्रेसमैन के तहत काम किया। वह वर्ष 1930 में भारत लौटे और फिर पक्षियों पर तेजी से काम शुरू किया। आज़ादी के बाद सालिम 'बांबे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी' (बीएनएसच) के प्रमुख लोगों में रहे। उन्होंने भरतपुर पक्षी विहार की स्थापना में प्रमुख भूमिका निभाई।

सम्मान और पुरस्कार

डॉ सलीम अली ने प्रकृति विज्ञान और पक्षी विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दिशा में उनके कार्यों के मद्देनजर उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मान दिए गए। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय ने उन्हें डॉक्टरेट की मानद उपाधि दी। उनके महत्त्वपूर्ण कार्यों के लिए उन्हें भारत सरकार ने भी उन्हें सन 1958 में पद्म भूषण व 1976 में पद्म विभूषण जैसे महत्वपूर्ण नागरिक सम्मानों से नवाजा।

निधन

27 जुलाई 1987 को 91 साल की उम्र में डॉ. सालिम अली का निधन मुंबई में हुआ। डॉ सलीम अली भारत में एक 'पक्षी अध्ययन व शोध केन्द्र' की स्थापना करना चाहते थे। इनके महत्वपूर्ण कार्यों और प्रकृति विज्ञान और पक्षी विज्ञान के क्षेत्र में अहम् योगदान के मद्देनजर 'बॉम्बे नैचुरल हिस्ट्री सोसाइटी' और 'पर्यावरण एवं वन मंत्रालय' द्वारा कोयम्बटूर के निकट 'अनाइकट्टी' नामक स्थान पर 'सलीम अली पक्षीविज्ञान एवं प्राकृतिक इतिहास केन्द्र' स्थापित किया गया।

जैव विविधता पर मंडरा रहा है बड़ा खतरा

(पर्यावरण चिंतन/ लेखक- योगेश कुमार गोयल)

पिछले दिनों आई विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2022' के मुताबिक पिछले 50 वर्षों में दुनियाभर में स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछलियों सहित वन्यजीवों की आबादी 69 फीसदी कम हुई है। 'लिविंग प्लैनेट सूचकांक' के अनुसार 5230 प्रजातियों के 31821 जीवों की आबादी में गिरावट दर्ज हुई है, जो उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में चौंकाने वाली दर से घट रही है। रिपोर्ट के मुताबिक विश्वभर में वन्यजीवों की आबादी तेजी से घट रही है और 1970 के बाद से लैटिन अमेरिका तथा कैरेबियन क्षेत्रों में इसमें 94 फीसदी तक जबकि अफ्रीका में 66 और एशिया में 55 फीसदी की गिरावट आई है। वन्यजीवों की आबादी में गिरावट के कारणों का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट में बताया गया कि वनों की कटाई, आक्रामक नस्लों का उभार, प्रदूषण, जलवायु संकट तथा विभिन्न बीमारियां इसके प्रमुख कारण हैं। 1970 के बाद से मछली पकड़ने में करीब 18 गुना वृद्धि होने के कारण शार्क तथा 'रे' मछलियों की संख्या में 71 फीसदी तथा ताजे पानी में रहने वाली प्रजातियों में सर्वाधिक 83 फीसदी गिरावट दर्ज की गई है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ का इस बारे में कहना है कि पर्यावास की हानि और प्रवास के मार्ग में आने वाली बाधाएं प्रवासी मछलियों की नस्लों के समक्ष आए लगभग आधे खतरों के लिए जिम्मेदार हैं।

इससे पहले आईयूसीएन (इंटरनेशनल यूनियन फॉर कन्जर्वेशन ऑफ नेचर) की वर्ष 2021 की रिपोर्ट में भी बताया जा चुका है कि दुनियाभर में वन्यजीवों तथा वनस्पतियों की हजारों प्रजातियां संकट में हैं, जिनकी धरती से गायब होने की संख्या में आगामी वर्षों में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। आईयूसीएन ने विश्वभर में करीब 1.35 लाख प्रजातियों का आकलन करने के बाद पाया था कि 900 जैव प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं तथा 37400 प्रजातियों को विलुप्ति के कगार पर मानकर 'रेड लिस्ट' में शामिल किया गया था। आईयूसीएन के मुताबिक जैव विविधता पर संकट यदि इसी प्रकार मंडराता रहा तो 10 लाख से अधिक प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर होंगी। दुनिया के सबसे वजनदार पक्षी के रूप में जाने जाते रहे 'एलिफेंट बर्ड' का अस्तित्व अब धरती से खत्म हो चुका है। एशिया तथा यूरोप में मिलने वाले रोएंदार गैंडे की प्रजाति भी इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन चुकी है। समुद्र में 70 वर्ष तक का जीवन चक्र पूरा करने वाला डूगोंग प्रजाति का 'स्टेलर समुद्री गाय' जीव भी विलुप्त हो चुका है। द्वीपीय देशों में पाए जाने वाले डोडो पक्षी का अस्तित्व मिटने के बाद कुछ खास प्रजाति के पौधों के अस्तित्व पर भी संकट मंडरा रहा है। पश्चिमी तथा मध्य अफ्रीका के भारी बारिश वाले जंगलों में रहने वाले जंगली अफ्रीकी हाथी, अफ्रीकी जंगलों में रहने वाले ब्लैक राइनो, पूर्वी रूस के जंगलों में पाए जाने वाले अमुर तेंदुआ, इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर पाए जाने वाले सुंदा बाघ जैसे विशाल जानवरों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल छाये हैं। पर्यावरण विज्ञान जर्नल 'फ्रंटियर्स इन फॉरेस्ट एंड ग्लोबल चेंज' में प्रकाशित एक अध्ययन में तो यह सनसनीखेज खुलासा भी किया जा चुका है कि 97 फीसदी धरती की पारिस्थितिकी सेहत बेहद खराब हो चुकी है और मानवीय हस्तक्षेप के कारण पृथ्वी के जैव विविधता वाले क्षेत्रों में इतनी तबाही मच चुकी है कि धरती का केवल तीन फीसदी हिस्सा ही पारिस्थितिक रूप से सुरक्षित बचा है। वन्यजीवों के अस्तित्व पर मंडराते संकट को लेकर शोधकर्ताओं का कहना है कि अधिकांश प्रजातियां मानव शिकार के कारण लुप्त हुई हैं जबकि कुछ अन्य कारणों में दूसरे जानवरों का हमला तथा बीमारी शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रही गर्मी से भी वन्यजीवों की आबादी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के शोधकर्ताओं का अनुमान है कि अगले 50 वर्षों में पौधों तथा जानवरों की प्रत्येक तीन में से एक प्रजाति विलुप्त हो जाएगी। वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ क्राइम रिपोर्ट 2020 के मुताबिक वन्यजीवों की तस्करी दुनिया के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दुनियाभर में सर्वाधिक तस्करी स्तनधारी जीवों की होती है, उसके बाद रेंगने वाले जीवों की 21.3, पक्षियों की 8.5 तथा पेड़-पौधों की 14.3 फीसदी तस्करी होती है। विश्व वन्यजीव कोष के महानिदेशक मार्को लैम्बर्टिनी के अनुसार हम मानव-प्रेरित जलवायु संकट और जैव विविधता के नुकसान की दोहरी आपात स्थिति का सामना कर रहे हैं, जो वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए खतरा साबित हो सकती है। दुनिया जिस तेजी से आगे बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से वन्यजीवों की संख्या घट रही है। पर्यावरणविदों के मुताबिक जंगलों में अतिक्रमण, कटान, बढ़ते प्रदूषण तथा पर्यटन के नाम पर गैर जरूरी गतिविधियों के कारण पूरी दुनिया में जैव विविधता पर मंडराता संकट पर्यावरण संतुलन बिगड़ने का स्पष्ट संकेत है और यदि इसमें सुधार के लिए शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में बड़े नुकसान के तौर पर इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि जैव विविधता के क्षरण का सीधा असर भविष्य में पैदावार, खाद्य उत्पादन इत्यादि पर पड़ेगा, जिससे पूरा इको सिस्टम बुरी तरह से प्रभावित होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा पर्यावरण मामलों के जानकार हैं और पर्यावरण पर 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक लिख चुके हैं)

(चिंतन-मनन)

मनोबल कम न हो

जीवन की जितनी अनिवार्य आवश्यकताएं हैं, वे वास्तविक समस्याएं हैं। कुछ समस्याएं हमारी काल्पनिक भी हैं। काल्पनिक समस्याएं भी कम भयंकर नहीं होती। वास्तविक समस्याएं बहुत थोड़ी हैं, गिनी-चुनी। किन्तु काल्पनिक समस्याओं का कहीं अंत नहीं है। इतनी जटिल समस्याएं जो प्रतिदिन हमारे सामने उभरती हैं। किस प्रकार काल्पनिक समस्याएं मनुष्य को सताती हैं, इसका एक उदाहरण है- दो यात्री आमने-सामने ट्रेन में बैठे थे। ट्रेन में लड़ाई हो गई। लड़ाई का कारण, एक समस्या। समस्या काल्पनिक, केवल काल्पनिक। एक कहता है मुझे ठंड लग रही है और दूसरा कहता है मुझे गर्मी लग रही है। एक उठता है, खिड़की को बंद कर देता है। दूसरा उठता है खिड़की को खोल देता है। टी.टी. आया, यह अभिनय देखा और बोला, 'क्या तमाशा हो रहा है रेल में! चलती गाड़ी में क्या खेल खेला जा रहा है!' एक ने कहा, 'हवा बहुत तेज चल रही है, मुझे ठंड लग रही है।' दूसरा कहता है, 'खिड़की बन्द हो जाती है, मुझे बहुत गर्मी लग रही है, परेशान हो रहा हूं।' टी.टी. गया खिड़की के पास और जाकर देखा तो खिड़की का प्रेम तो है, लेकिन शीशा है ही नहीं। अब कैसे हवा लग रही है और कैसे गर्मी लग रही है? मात्र काल्पनिक समस्या। हमारी दोनों प्रकार की समस्याएं हैं-काल्पनिक समस्याएं और यथार्थ समस्याएं। ये हमारे मनोबल को कमजोर करती हैं। जिस व्यक्ति का मनोबल कम होता है, वह व्यक्ति इस दुनिया में अपराधी का जीवन जीता है। दुर्बलता खुद एक अपराध है।

टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है गले में खराश का कारण

क्या आपके गले में हमेशा खराश बनी रहती है? मौसम का बदलाव या सर्द-गर्म की वजह से इसे सामान्य समस्या न समझो। इस खराश का कारण टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है।

गले में खराश होना आम बात होती है। इसमें गले में कांटे जैसी चुभन, खिचखिच और बोलने में तकलीफ जैसी समस्याएं आती हैं। ऐसा बैक्टीरिया और वायरस के कारण होता है। कई बार एलर्जी और धूम्रपान के कारण भी गले में खराश की समस्या होती है। गले के कुछ संक्रमण तो खुद-ब-खुद ही ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में इलाज की जरूरत पड़ती ही है। आमतौर पर लोग गले की खराश को आम बात समझ कर अक्सर अनदेखा करते रहते हैं। लेकिन गले की किसी भी परेशानी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये गंभीर बीमारी का रूप भी ले सकती है। गले का संक्रमण आमतौर पर वायरस और बैक्टीरिया के कारण होता है। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी होता है, जिसे ओरल थ्रश कहते हैं। किसी खाने की वस्तु, पेय पदार्थ या दवाइयों के विपरीत प्रभाव के कारण भी गले में संक्रमण हो सकता है। इसके अलावा गले में खराश की समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है। खान-पान में त्रुटियां जैसे ठंडे, खट्टे, तले हुए एवं प्रिजर्वेटिव खाद्य पदार्थ इसका कारण बन सकते हैं। मुंह व दांतों की साफ-सफाई न रखने के कारण भी संक्रमण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।

टॉन्सिल्स

गले में खराश या ग्रसनीशोथ गले का इंफेक्शन है, जिसमें गले से कर्कश आवाज, हल्की खांसी, बुखार, सिरदर्द, थकान और खासकर कुछ निगलते वक्त गले में दर्द होता है। हमारे गले में दोनों तरफ टॉन्सिल्स होते हैं, जो कीटाणुओं, बैक्टीरिया और वायरस को हमारे गले में जाने से रोकते हैं, लेकिन कई बार जब ये टॉन्सिल्स खुद ही संक्रमित हो जाते हैं, तो इन्हें टॉन्सिलाइटिस कहते हैं। इसमें गले के अंदर दोनों तरफ के टॉन्सिल्स गुलाबी व लाल रंग के दिखाई पड़ते हैं। ये थोड़े बढ़े हुए होते हैं और ज्यादा लाल होते हैं। कई बार इन पर सफेद चकत्ते या पस भी दिखाई देता है। वैसे तो टॉन्सिलाइटिस का संक्रमण उचित देखभाल और एंटीबायोटिक से ठीक हो जाता है। लेकिन इसका खतरा तब अधिक बढ़ जाता है, जब ये संक्रमण स्ट्रेप्टोकॉकस हिमोलिटीकस नामक बैक्टीरिया से होता है। तब ये संक्रमण हृदय एवं गुर्दे में फैलकर खतरनाक बीमारी को जन्म दे सकता है।

एडीनॉयड

एडीनॉयड अर्थात् नाक के पीछे होने वाला टॉन्सिल्स। एंडीनॉयड में संक्रमण होने पर बुखार, सर्दी, नाक एवं गले से कफ आना, खांसी हो सकती है। ऐसे में रात में सांस लेने में तकलीफ होती है। इसमें मुंह खुला रहता है और कई बार खर्राटे भी आने लगते हैं। एडीनॉयड संक्रमण होने पर कान की बीमारियां हो जाती हैं।

लक्षण

- गले में दर्द रहना और सूजन आना बुखार आना
- गले के अंदर टॉन्सिल्स लाल होना व सूजन आना
- बोलने में परेशानी होना
- टॉन्सिल्स पर पीले या सफेद दाग होना
- खांसी और सांस में बदबू

सावधानी व अन्य उपचार

गले की खराश के उपचार के बारे में कहते हैं- आमतौर पर गले की खराश कोल्ड और फ्लू के वायरस के कारण ही होती है। गले के छोटे संक्रमण तो कई बार खुद ही दूर हो जाते हैं, लेकिन स्ट्रेन्टोकॉकस जैसे संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक दवाएं लेना बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा बैक्टीरिया या वायरस आदि को बढ़ने से रोकने के लिए कुछ उपचार हैं। इनमें निम्न उपचार प्रमुख हैं :

- गले की नमी बनाए रखने के लिए पानी और जूस जैसे तरल पदार्थों का सेवन करते रहें।
- नर्म चीजें खाएं, जैसे हलवा, जई (ओट्स) और सूप।
- डॉक्टर द्वारा बताए गए निर्धारित समय पर पेरासिटामोल या आई ब्रुफिन लेते रहें।
- नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे करें। इससे आराम मिलेगा।
- जब गले में खराश फंगस की वजह से हो या ओरल थ्रश हो, तभी डॉक्टर एंटी-फंगल दवाएं देते हैं।
- अदरक, कैमोमाइल या कुठरा की चाय गले में आराम भी देती है और इसमें जीवाणुरोधक गुण भी हैं।
- धूम्रपान न करें और मिर्च-मसाले का भोजन न लें।

बढ़ता वायु प्रदूषण बन रहा है फेफड़ों के लिए समस्या

फेफड़े शरीर के सबसे सक्रिय, महत्वपूर्ण और नाजुक अंगों में से एक हैं। पर, दिल की तरह उन्हें सेलिब्रिटी का दर्जा प्राप्त नहीं है। जबकि, दिल से ज्यादा मौतें फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों की वजह से होती हैं। भारत में मृत्यु के दस प्रमुख कारणों में चार कारण फेफड़े व श्वसन रोगों से जुड़े हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) लोवर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन, कैंसर (फेफड़ों का कैंसर दूसरे स्थान पर है) और ट्युबरक्लोसिस। बढ़ता वायु प्रदूषण इस समस्या की गंभीरता को और बढ़ा देता है।

दो दशक पहले तक फेफड़ों के कैंसर और सीओपीडी को धूम्रपान करने वालों की बीमारी माना जाता था, क्योंकि 90 प्रतिशत मामले धूम्रपान करने वालों के ही होते थे। पर, अब यह समस्याएं ज्यादातर सभी लोगों को अपना शिकार बना रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में वायु प्रदूषण की वजह से भारत में 16.7 लाख लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा 2020 में देश में कोरोना महामारी से हुई कुल मौतों से करीब 12 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वायु प्रदूषण फेफड़ों से जुड़ी 40 प्रतिशत बीमारियों के लिए जिम्मेदार है। नेचर जेनेटिक्स में प्रकाशित शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण से सभी तरह की नॉन कम्युनिकेबल डिसीज़ेज जैसे कार्डियोवॉस्क्युलर, ऑटो इम्युन डिसीज़ेज, डायबिटीज़, अर्थराइटिस आदि का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। हम दिन भर में करीब 25,000 बार सांस लेते और छोड़ते हैं। प्रदूषित हवा के बीच लगातार रहना कई तरह से सेहत पर असर डालता है। खासकर, ठंड में वायु प्रदूषण का बढ़ना फेफड़ों की समस्या से जूझ रहे लोगों की दिक्कत बढ़ा देता है।

कैसे डालते हैं प्रदूषक सेहत पर असर

सेहत पर सबसे अधिक बुरा असर पार्टिकुलेट मैटर (पीएम), ओजोन, नाइट्रोजन डाय ऑक्साइड और सल्फर डाईऑक्साइड का पड़ता है। ईंधन के जलने, बिजली के उपकरण व औद्योगिक प्रक्रियाओं से सल्फर डाई ऑक्साइड निकलती है। जिसके कारण सांस फूलना, लगातार नाक से पानी निकलने लगता है। 10 और 2.5 माइक्रॉन से कम व्यास वाले पीएम सेहत के लिए बहुत हानिकारक होते हैं। ये सांस से फेफड़ों में प्रवेश करते हैं और रक्त के प्रवाह में मिल जाते हैं।

ऐसे रहेंगे फेफड़े स्वस्थ और मजबूत

- नीम प्रदूषकों को अवशोषित करके शरीर से वायु प्रदूषण के असर को कम करने में मदद करता है। इसके लिए त्वचा व बालों को नीम की पत्तियों के उबले हुए पानी से धोने से त्वचा व म्युकोसल मैम्ब्रेन में फंसे पोषक तत्व बाहर निकलते हैं। सप्ताह में दो बार नीम की 3-4 पत्तियां चबाने से भी लाभ मिलता है।
- तुलसी प्रदूषक तत्वों को सोखती है। इसका काढ़ा श्वसन रोगों में राहत देता है।
- हल्दी एक एंटीऑक्सीडेंट है। इसे घी के साथ मिलाकर लेना कफ में आराम देता है और अस्थमा अटैक में सहायता करता है।
- रोज 2-3 चम्मच देसी घी खाएं, ये लेड व पारे जैसे हानिकारक तत्वों को शरीर में जमा नहीं होने देता।
- त्रिफला पॉउडर वात, पित्त और कफ दोषों के असंतुलन को संतुलित करके इम्यूनिटी बढ़ाता है। रात में एक चम्मच शहद के साथ लें।
- श्वसन क्रियाएं प्राणायाम, कपालभाति व जलनेति करें।
- यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड मेडिकल सेंटर के अनुसार, पोषक तत्वों जैसे विटामिन ए, सी, ई और मिनरल्स जैसे जिंक, पोटेशियम, सेलेनियम और मैग्नीशियम की कमी फेफड़ों के रोगों का खतरा बढ़ाती है। रंग-बिरंगी सब्जियां, साबुत अनाज खाएं।

वायु प्रदूषण का असर

- सिरदर्द
- नाक, गला और आंखों में दर्द, सूजन और जलन
- खांसी और सांस लेने में दर्द
- निमोनिया, ब्रोन्काइटिस
- स्किन इरिटेशन
- दीर्घकालिक असर
- सेंटर नर्वस सिस्टम पर असर (सिरदर्द, बेचैनी)
- कार्डियोवैस्कुलर रोग
- श्वसन तंत्र से जुड़े रोग
- (अस्थमा, कैंसर)

वायु प्रदूषण का खतरा किन लोगों को है ज्यादा

- फेफड़े, हृदय व मधुमेह से जूझ रहे लोग
- बच्चे व बुजुर्ग
- गर्भवती महिलाएं
- बहुत अधिक समय प्रदूषित वातावरण में बिताने वाले लोग

ठंड में रहें सावधान

सर्दियों में श्वसन तंत्र से जुड़ी समस्याओं के बढ़ने के तीन प्रमुख कारण हैं; पहला, जब तापमान में तेज गिरावट आती है तब श्वास नलिकाएं थोड़ी सिकुड़ जाती हैं जिससे सांस लेने में परेशानी होती है। दूसरा, ठंडी और सूखी हवा बीमार फेफड़ों को ही नहीं स्वस्थ फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाती है। तीसरा सर्दियों में स्मोग (स्मोक+फॉग) के कारण प्रदूषण का स्तर अधिक होता है। प्रदूषित वायु श्वास नलिकाओं और फेफड़ों के साधे संपर्क में आने से ऊतकों की कोशिकाओं के डीएनए को नुकसान पहुंचता है जिससे वो क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में चेहरे व नाक को ढक कर रखें, जब तापमान बहुत कम हो तो खुले में व्यायाम न करें, मुंह के बजाय नाक से सांस लें, ताकि फेफड़े ठंडी हवा के सीधे संपर्क में न आएं। दमा या सांस के रोगी एन 95 मास्क पहनकर ही बाहर निकलें। गहरी सांस लें डीप ब्रीदिंग से फेफड़े साफ होते हैं। अधिक मात्रा में ऑक्सीजन अंदर जाती है और कार्बन डाईऑक्साइड बाहर निकल जाती है। डीप ब्रीदिंग का सही तरीका है, नाक से सांस अंदर लो और मन ही मन 1-2-3-4 तक गिनो, फिर मुंह से सांस छोड़ो और 1-2-3-4-5-6-7-8 तक गिनो। गहरी सांस छाती से नहीं पेट से लेनी चाहिए।

फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण

प्रदूषित वायु में सांस लेने से फेफड़ों की क्षमता और कार्यप्रणाली प्रभावित होती है और वो समय से पहले बूढ़े होने लगते हैं। लगातार टॉक्सिन्स और प्रदूषकों के संपर्क में रहने से फेफड़े क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) के अनुसार, वायु प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। वायु प्रदूषण का असर बड़ों की तुलना में बच्चों पर अधिक होता है। बच्चों की श्वसन दर वयस्कों से अधिक होती है, इस कारण बच्चे सांस के जरिए अधिक मात्रा में प्रदूषक भी अंदर ले लेते हैं। बच्चों की लंबाई और आदतों के कारण वो उन प्रदूषकों के अधिक संपर्क में रहते हैं जो वायु से भारी होते हैं और उनके ब्रीदिंग जोन में केंद्रित हो जाते हैं। बच्चों का एअरवेज भी संकरा होता है और उनके फेफड़े अभी भी विकसित हो रहे हैं इसलिए थोड़ा सा भी प्रदूषण बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। जिन लोगों को धूल, मिट्टी की एलर्जी से अचानक ही दौरा पड़ने की स्थिति आती है, उन्हें इमरजेंसी दवाएं घर में रखनी चाहिए।

इनडोर प्रदूषण से भी बचें

- घरों और ऑफिसों के भीतर की हवा भी शुद्ध रखें। एअर फ्रेशनर का उपयोग न करें, बल्कि एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम लगवाएं। हमेशा खिड़कियां और दरवाजे बंद करके न रहें, दिन में कुछ समय ताजी हवा अंदर आने दें। -घर के अंदर धूम्रपान न करें।
- ठहाके लगाएं ठहाका लगाकर हंसते समय बासी हवा बाहर निकल जाती है और फेफड़े ताजी हवा से भर जाते हैं।
- मसूड़े रखें स्वस्थ स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क में हुए शोध के अनुसार बीमार मसूड़ों की वजह से व्यक्ति के फेफड़े ठीक से कार्य नहीं कर पाते हैं।
- व्यायाम के समय फेफड़ों की क्षमता बढ़ जाती है। अध्ययनों के अनुसार सामान्य स्थिति में स्वस्थ व्यक्ति एक मिनट में 15 बार सांस लेता है, पर व्यायाम के दौरान यह बढ़कर 40-50 प्रति मिनट हो जाता है।
- पानी और दूसरे तरल पदार्थ अधिक लें। इससे फेफड़ों की म्युकोसल लाइनिंग पतली रहती है, जिससे फेफड़े बेहतर काम कर पाते हैं।
- संक्रमित होने से बचें। बार-बार संक्रमण फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। जब जरूरी हो हाथों को साबुन और पानी से धोएं। सर्दियों में गुनगुना पानी पिएं। बार-बार चेहरे को छूने से बचें।
- रीढ़ को सीधा करके बैठें, ताकि फेफड़ों को पर्याप्त स्थान मिल सके। जो लोग दिनभर ऑफिस में कुर्सी पर बैठे-बैठे काम करते हैं, उन्हें चाहिए कि हर दो घंटे में पांच मिनट के लिये कुर्सी पर थोड़ा पीछे की ओर झुक जाएं, छाती को थोड़ा-सा ऊपर उठा दें और गहरी सांस लें।

सेहत को बिगाड़ सकता है इन चीजों का रात के समय खाना

अगर आप भी रात में इन चीजों में से कोई एक भी खाते हैं तो जरा संभल जाए। इन चीजों को रात के समय खाना आपकी सेहत को बिगाड़ सकता है। हो सके तो इन 8 चीजों को रात के समय यानी कि डिनर के भोजन में खाने से बचें।

स्नैक्स

रात के वक्त कुछ चीजें खाने से आप तौबा ही करें तो बेहतर होगा। इनमें स्नैक्स या चिप्स जैसी चीजें भी शामिल है। हालांकि इनका सेवन दिन के वक्त भी नुकसानदेह ही होता है। दरअसल इनमें अत्यधिक मात्रा में मोनोसोडियम ग्लूटामेट होता है, जो आपको नींद संबंधी समस्याएं देने के साथ ही, अन्य स्वास्थ्य परेशानियां भी दे सकता है।

एल्कोहल

रात को सोने से ठीक पहले किसी भी प्रकार का नशा या अल्कोहल का सेवन आपके लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। खास तौर से वाइन नींद की गुणवत्ता को खराब करती है नींद के समय को कम कर देती है। इसमें कैलोरी भी बहुत अधिक मात्रा में होती है।

पिज्जा

अक्सर रात के वक्त पार्टी या बाहर जाकर खाने में लोग पिज्जा पसंद करते हैं। लेकिन इसे पचाने में आपके पाचन तंत्र को काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसके अलावा पिज्जा में चिकनाई बहुत अधिक होती है और इसमें जो सॉस व अन्य मसाले प्रयोग किए जाते हैं, वे आपके लिए हार्टबर्न का खतरा बढ़ा देते हैं। इसलिए कोशिश करें कि रात के वक्त इसका प्रयोग बिल्कुल न करें।

बर्गर

सोने से पहले बर्गर खाना भी सेहत के लिए हानिकारक होता है। बर्गर में चीज व सॉस का प्रयोग कर हम इसे भले ही इसका स्वाद बढ़ा लेते हैं, लेकिन यही चीजें पेट में प्राकृतिक एसिड के उत्पादन को बढ़ाती हैं, जिससे हार्टबर्न की समस्या हो सकती है। इसलिए कोशिश करें की चीज और सॉस से युक्त बर्गर का सेवन न ही करें।

रेड मीट

रेड मीट प्रोटीन और आयरन का स्रोत है। लेकिन इसका अधिक सेवन करने से आपको बेचैनी हो सकती है और यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। तो अगर आप शांति से गहरी नींद लेना चाहते हैं, तो रात में रेड मीड को नजरअंदाज करें।

पास्ता

पास्ता कैलोरी से भरपूर होता है, और इसमें सबसे अधिक कैलोरी होती है। इसमें अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होता है जो वसा में बदल जाता है। इसके अलावा इसे चीज और अन्य फैटी चीजों के साथ बनाया जाता है जिससे इसका ग्लासिमिक सूचकांक बहुत अधिक होता है। रात के समय इसका प्रयोग हृदय और पाचन तंत्र के लिए हानिकारक होता है।

ऐसी सब्जियां

कुछ सब्जियों में अघुलनशील फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो लंबे समय तक आपका पेट भरा रखती है, और पाचन तंत्र धीमी गति से कार्य करने लगता है। ऐसे में आपको गैस या पाचन संबंधी अन्य समस्याएं हो सकती है। ऐसी सब्जियों को रात के वक्त खाने से बचना चाहिए। प्याज, ब्रोकोली, पत्तागोभी आदि सब्जियां इनमें शामिल है।

डॉर्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में बहुत अधिक मात्रा में कैफीन व अन्य उत्तेजक पदार्थ होते हैं, जो हृदय को आराम देने के बजाए कार्यशील रखते हैं तथा मस्तिष्क को केंद्रित रखते हैं। इससे आपकी नींद बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि प्लास्टिक के बोतल और कंटेनर के इस्तेमाल से कैंसर हो सकता है। हवाई के कैंसर हॉस्पिटल के डॉक्टर एडवर्ड फुजीमोटो ने प्लास्टिक और कैंसर पर काफी शोध किया है। उनका कहना है कि प्लास्टिक के बर्तन में खाना गर्म करना और कार में रखे बोतल का पानी कैंसर की वजह हो सकते हैं। फुजीमोटो के मुताबिक कार में रखी प्लास्टिक की बोतल जब धूप या ज्यादा तापमान की वजह से गर्म होती है तो प्लास्टिक में मौजूद नुकसानदेह कैमिकल डाइऑक्सिन का रिसाव शुरू हो जाता है। ये डाईऑक्सिन पानी में घुलकर हमारे शरीर में पहुंचता है। जानकारों का कहना है कि डाइऑक्सिन हमारे शरीर में मौजूद कोशिकाओं पर बुरा असर डालता है। इसकी वजह से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक है। कई जानकार प्लास्टिक से कैंसर होने की बात को गलत ठहराते हैं। उनका कहना है कि अभी तक इस विषय पर आधिकारिक रिसर्च की कमी है। इसलिए कैंसर जैसी बीमारी के लिए प्लास्टिक को दोषी ठहराना गलत होगा। जानकारों का कहना है कि अगर खरीदते वक्त ही अच्छी क्वालिटी का प्लास्टिक लिया जाए तो कैंसर का खतरा टाला जा सकता है। वैसे जानकारों की सलाह है कि जहां तक हो सके खाने-पीने के लिए स्टील और कांच के बर्तनों का ही इस्तेमाल करना चाहिए। प्लास्टिक की क्वालिटी को लेकर सरकार भी काफी सख्त है। प्लास्टिक के प्रोडक्ट्स के लिए बाकायदा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं ताकि कंपनियां लोगों की आंखों में धूल न झोंक पाएं। फिर भी लोग हल्की क्वालिटी के प्लास्टिक के टिफिन और बोतल खरीदकर उन्हें इस्तेमाल करते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं।

जेएसडब्ल्यू स्टील उत्पादन 25 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । इस्पात कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चे इस्पात का एकल आधार पर उत्पादन अक्टूबर, 2022 में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 17.76 लाख टन हो गया। कंपनी ने अक्टूबर 2021 में 14.25 लाख टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया था। कंपनी का पिछले महीने फ्लैट रोल्ड (स्टील की चादर आदि) उत्पादों का उत्पादन 30 फीसदी बढ़कर 13.61 लाख टन हो गया। एक साल पहले यह 10.45 लाख टन था। वहीं लांग रोल्ड उत्पादों का उत्पादन 11 फीसदी बढ़कर 3.70 लाख टन रहा है। इसके अलावा अक्टूबर में कंपनी का क्षमता उपयोग भी बेहतर होकर 93 फीसदी हो गया है जो सितंबर में 89 फीसदी था।

राज्यों का कर्ज चालू वित्त वर्ष में जीएसडीपी के मुकाबले 30-31 प्रतिशत रहेगा

नई दिल्ली । राज्यों का कर्ज चालू वित्त वर्ष में उनके सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के मुकाबले 30-31 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर रहेगा। क्रिसिल द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि राजस्व में मामूली वृद्धि और अपने साधनों से अत्यधिक कर्ज लेने के कारण राज्यों का कर्ज उच्चस्तर पर रहेगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि जीएसडीपी के मुकाबले राज्यों का कुल कर्ज चालू वित्त वर्ष में 30-31 प्रतिशत तक रहने की संभावना है। यह आंकड़ा 2021-22 में 31.5 प्रतिशत था। क्रिसिल ने कहा कि वित्त वर्ष 2016-20 के दौरान 25 से 30 प्रतिशत की सीमा में रहने के बाद राज्यों का कर्ज वित्त वर्ष 2020-21 में 34 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया था। इसके बाद वित्त वर्ष 2021-22 में यह 31.5 प्रतिशत पर आ गया। रिपोर्ट में कहा गया कि मामूली राजस्व वृद्धि के साथ उच्च पूंजीगत व्यय के चलते राज्यों की कर्ज जरूरतें बनी हुई हैं। हालांकि, राज्यों को एक लाख करोड़ रुपए की विशेष सहायता देने के केंद्र के फैसले से कुछ राहत मिल सकती है। यह सहायता अवसंरचना और डिस्कॉम सुधार पर खर्च के लिए दी जाएगी। क्रिसिल ने कहा कि उसका अनुमान 18 शीर्ष राज्यों के अध्ययन पर आधारित हैं। इन राज्यों में महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और केरल शामिल हैं।

अशोक लेलैंड का मुनाफा दूसरी तिमाही में 199 करोड़ रहा

नई दिल्ली । हिंदुजा समूह की कंपनी अशोक लेलैंड का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा 199 करोड़ रुपए रहा है। वाहन बिक्री बढ़ने से कंपनी का मुनाफा भी बढ़ा है। पिछले वर्ष की सितंबर तिमाही में कंपनी को 83 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। अशोक लेलैंड ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन अवधि में उसका राजस्व बढ़कर 8,266 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले वर्ष समान अवधि में यह 4,458 करोड़ रुपए था। सितंबर तिमाही में कंपनी के घरेलू मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री बढ़कर 25,475 इकाई हो गई। एक साल पहले समान तिमाही में यह 11,988 इकाई थी। इससे कंपनी की बाजार में हिस्सेदारी 9.6 फीसदी बढ़ गई। कंपनी ने बताया कि उसके हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 28 फीसदी बढ़कर 17,040 इकाई हो गई और हल्के, मध्यम तथा भारी वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात एक साल पहले के 2,227 इकाई से 25 फीसदी बढ़कर 2,780 इकाई हो गया।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी सूचना प्रौद्योगिकी, धातु और वित्तीय शेयरों में भारी लिवाली (खरीददारी) से आयी हैं। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़े अनुमान से कम रहने से भी बाजार उछला है। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में आई मजबूती और विदेशी पूंजी के प्रवाह से भी बाजार को बल मिला है। अमेरिकी मुद्रास्फीति में नरमी ने इन अटकलों को तेज कर दिया कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में बढ़ोतरी की रफ्तार को धीमा कर सकता है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 1,181.34 अंक करीब 1.95 फीसदी बढ़कर 61,795.04 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 321.50 अंक करीब 1.78 फीसदी बढ़कर 18,349.70 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में सबसे अधिक 5.84 फीसदी की तेजी एचडीएफसी के शेयरों में हुई। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टीसीएस, विप्रो, टाटा स्टील और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी उछले। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसबीआई, कोटक बैंक, डॉ रेड्डीज, आईसीआईसीआई बैंक और एनटीपीसी के शेयर गिरे हैं। इसके अलावा बीएसई स्मॉलकैप 0.15 फीसदी और मिडकैप 0.33 फीसदी ऊपर आया है। दूसरी ओर अन्य

एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग 7.70 फीसदी, जापान का निक्की 2.98 फीसदी, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 3.37 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.69 फीसदी बढ़ा है। दूसरी ओर यूरोपीय बाजार भी दोपहर के सत्र में लाभ में थे। अमेरिकी बाजार गत दिवस बढ़त के साथ बंद हुए थे।

जीएसटी ट्रांजिशनल क्रेडिट दावों के सत्यापन के दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने जीएसटी ट्रांजिशनल क्रेडिट दावों के सत्यापन के लिए दिशानिर्देश जारी किए। विभाग ने कहा कि ऐसे करदाताओं को ऐसी कर वापसी को लेकर संशोधित रिटर्न भरने की अनुमति नहीं होगी। माल एवं सेवा कर जब एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया, करदाताओं को ट्रान-1 और ट्रान-2 फॉर्म भरने और जीएसटी से पहले की व्यवस्था में दिए गए करों पर क्रेडिट लेने की अनुमति दी गई थी। उच्चतम न्यायालय ने जुलाई में राजस्व विभाग को दो महीने के लिए जीएसटी पोर्टल खोलने का निर्देश दिया था ताकि करदाता फॉर्म ट्रान-1 और ट्रान-2 को फाइल कर सकें। आदेश के अनुसार संशोधित ट्रांजिशनल दावा फॉर्म दाखिल करने के लिए जीएसटी पोर्टल एक अक्टूबर को दो महीने के लिए खोला गया। इन दावों का सत्यापन कर अधिकारी 90 दिन के भीतर करेंगे। यह अवधि 28 फरवरी, 2023 को समाप्त होगी। सीबीआईसी ने ऐसे क्रेडिट दावों की पात्रता निर्धारित करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने लोन पर बढ़ाई ब्याज दरें

- अब ग्राहकों को चुकानी होगी बढ़ी हुई ईएमआई

मुंबई ।

सरकारी क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने लोन पर ब्याज दरों को बढ़ा दिया है। इससे अब बैंक के होम लोन ग्राहकों को बढ़ी हुई ईएमआई चुकानी होगी। देश के इस बड़े पीएसयू बैंक ने एमसीएलआर को 0.15 फीसदी बढ़ा दिया है। ब्याज दर में यह बढ़ोतरी विभिन्न अवधि के कर्ज के लिए की गई है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि बैंक ने 12 नवंबर, 2022 से एमसीएलआर आधारित ब्याज दर में संशोधन को मंजूरी दी है। इस साल मई से ही निजी और सरकारी दोनों तरह के बैंकों ने अपनी लोन और जमा की दरों को बढ़ाया है। बैंक ने एक साल की अवधि के कर्ज के लिए एमसीएलआर को 0.10 फीसदी बढ़ाकर 8.05 फीसदी कर दिया है। इसी दर से पर्सनल, ऑटो और होम लोन जैसे ज्यादातर उपभोक्ता कर्ज जुड़े होते है। ऐसे में ग्राहकों को अब बढ़ी हुई ईएमआई चुकानी होगी। इसके अलावा छह महीने की एमसीएलआर को 10 आधार अंक बढ़ाकर 7.90 कर दिया गया है। तीन महीने और एक महीने की एमसीएलआर में भी 10 आधार अंक की बढ़ोतरी की गई है। अब 12 नवंबर से तीन महीने की एमसीएलआर 7.75 फीसदी होगी। जबकि एक महीने की एमसीएलआर 7.70 फीसदी होगी। ब्याज दरों में सबसे अधिक बढ़ोतरी ओवरनाइट एमसीएलआर में हुई है। ओवरनाइट एमसीएलआर में 15 आधार अंक की बढ़ोतरी हुई है। इसे 7.10 फीसदी से बढ़ाकर 7.25 कर दिया गया है।

फेसबुक ने दुनियाभर में 11,000 कर्मचारियों को निकाला, भारत में 400 लोगों की छंटनी

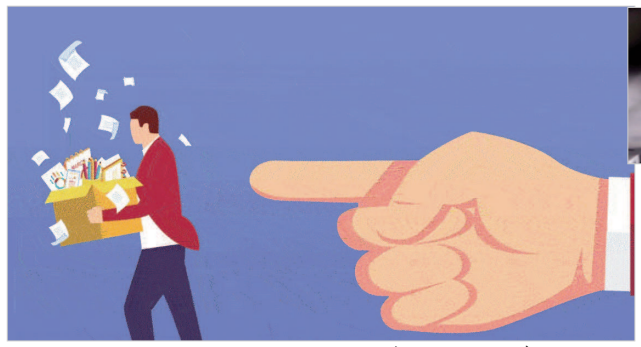

नई दिल्ली ।

दुनिया की दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक ने दुनियाभर में 11,000 कर्मचारियों को निकाल दिया है। ग्लोबल टेक इंडस्ट्री में यह सबसे बड़ी छंटनी है। सूत्रों के मुताबिक इससे भारत में भी कंपनी के कर्मचारी प्रभावित हुए हैं, लेकिन इसमें इनकी संख्या कम है। हालांकि यह साफ नहीं है कि भारत में मेटा के कुल कितने कर्मचारियों पर गाज गिरी है। मेटा के फाउंडर और सीईओ मार्क जकरबर्ग ने दुनियाभर में कंपनी के करीब 13 फीसदी कर्मचारियों को बाहर कर दिया है। इससे पहले एलन मस्क ने ट्विटर का मालिक बनते ही भारत में अपने 90 फीसदी कर्मचारियों को निकाल दिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक मेटा इंडिया टीम की सभी वर्टिकल्स में कर्मचारियों को निकाला गया है। हालांकि यह साफ नहीं है कि कुल कितने कर्मचारियों को निकाला गया है। भारत में मेटा के करीब 400 कर्मचारी हैं और यहां कंपनी का कारोबार दूसरे देशों की तुलना में ठीक चल रहा है। एक फर्म के मुताबिक फेसबुक इंडिया ऑनलाइन सर्विसेज का नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2022 में 297 करोड़ रुपये रहा जो वित्तीय साल 2021 में 128 करोड़ रुपये था। इस तरह पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का रेवेन्यू 56 फीसदी की तेजी के साथ 2,324 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2021 में 1,485 करोड़ रुपये रहा था। पिछले हफ्ते भारत में मेटा के प्रमुख अजित मोहन ने इस्तीफा दे दिया था। वह फेसबुक की प्रतिद्वंद्वी कंपनी स्नैप के प्रमुख बन गए हैं। इस बीच जकरबर्ग ने कहा है कि निकाले गए कर्मचारियों को 16 हफ्ते की बेस पे के साथ-साथ हर साल की सर्विस के लिए एडिशनल दो हफ्ते की पे मिलेगी। करीब 18 साल पुरानी इस कंपनी से यूजर्स टिकटॉक और यूट्यूब की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। इस कारण कंपनी का रेवेन्यू बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

एप्पल का बाजार पूंजीकरण एक दिन में 191 अरब डॉलर चढ़ा

- एपल ने एक दिन में कर डाली एलन मस्क की कुल नेटवर्थ से ज्यादा कमाई

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शेयर बाजारों में गुरुवार को जोरदार तेजी की वजह से दुनिया के सबसे बड़ी कंपनी एपल को भी काफी फायदा हुआ। आईफोन बनाने वाली इस कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) एक दिन में 191 अरब डॉलर चढ़ गया। यह दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ से ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ 184 अरब डॉलर है। गुरुवार को एपल के मार्केट कैप में 190.8 अरब डॉलर की तेजी आई। यह अमेरिका की किसी लिस्टेड कंपनी के इतिहास में सबसे ज्यादा है। इससे पहले यह रेकॉर्ड ऐमजॉन के नाम था। कंपनी ने फरवरी में एक ही दिन में 190.8 अरब डॉलर की कमाई की थी। एपल के शेयरों में गुरुवार को 8.8 फीसदी तेजी आई और इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 2.34 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। हालांकि इस साल कंपनी के शेयरों में 17 फीसदी गिरावट आई है। मार्केट कैप के हिसाब से एपल के बाद सऊदी अरामको, माइक्रोसॉफ्ट, अल्फाबेट, ऐमजॉन, बर्कशायर हैथवे, टेस्ला, यूनाइटेड हेल्थ, जॉनसन एंड जॉनसन और एक्सन मोबिल टॉप 10 में शामिल हैं। इस बीच दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन के शेयरों में भी गुरुवार को 12.18 फीसदी तेजी आई। इससे साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 985.79 अरब डॉलर पहुंच गया। कंपनी के फाउंडर जेफ बेजोस (Jeff Bezos) की नेटवर्थ 10.5 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। हालांकि कंपनी के साथ एक अनचाहा रेकॉर्ड चस्पा हुआ है। कंपनी एक लाख करोड़ डॉलर मार्केट कैप गंवाने पहली

लिस्टेड कंपनी बन गई है। इससे पहले बुधवार को कंपनी के शेयरों में 4.3 फीसदी गिरावट आई। इससे कंपनी की मार्केट वैल्यू 879 अरब डॉलर रह गई थी। जुलाई 2021 में कंपनी की मार्केट वैल्यू रेकॉर्ड 1.88 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गई थी।

रुपए में गिरावट का फायदा कुछ चुनिंदा कंपनियों को

मुंबई । भारतीय क्लीयरिंग कारपोरेशन के आंकड़ों के अनुसार इस साल 10 नवंबर तक रुपए में डालर की तुलना में 10 फीसदी की

गिरावट आ चुकी है। इस गिरावट का लाभ कुछ भारतीय कंपनियों को हो रहा है। डॉलर की मुद्रा रुपए की तुलना में मजबूत होने से आईटी सेक्टर की इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो और एचसीएल टेक जैसी कंपनियों को जबरदस्त फायदा हुआ है। डॉलर के रेट बढ़ने से मेटल सेक्टर में काम करने वाली वेदांता रिसोर्सेज और टेलीकॉम में एयरटेल और सुमित डिजिटल जैसी कंपनियों को जबरदस्त मुनाफा हुआ है। उपरोक्त कंपनियों को जो भुगतान प्राप्त होता है उसका बड़ा हिस्सा डालर के रूप में होता है। वहीं इनका अधिकांश खर्च भारतीय मुद्रा में होता है। जिसके कारण उपरोक्त क्षेत्र की कंपनियों को डॉलर के रेट बढ़ने से फायदा हो रहा है। वहीं विदेशी कर्ज लेते समय जिन भारतीय कंपनियों ने डालर के अवमूल्यन को लेकर समझौता किया हुआ है। उनको भी इसका लाभ मिल रहा है।

एलन मस्क ने ट्विटर कर्मचारियों से कहा- मुश्किल वक्त के लिए रहें तैयार

वर्क फ्रॉम होम को भी पूरी तरह खत्म करने का किया ऐलान

नई दिल्ली ।

ट्विटर की कमान आने के बाद से ही एलन मस्क हर रोज कोई न कोई नया फैसला ले रहे हैं। एलन मस्क ने ट्विटर कर्मचारियों को कंपनी का मालिक बनने के बाद पहला ई-मेल किदि। हालांकि, इस मेल में उन्होंने कर्मचारियों को कोई खुशखबरी नहीं दी। मेल में एलन मस्क ने कर्मचारियों को चेताया कि आने वाले मुश्किल समय के लिए वे तैयार रहें। साथ ही उन्होंने ट्विटर में वर्क फ्रॉम होम को भी पूरी तरह खत्म करने का ऐलान कर दिया। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने कहा कि अब रिमोट वर्क यानी वर्क फ्रॉम होम की अनुमति नहीं दी जाएगी। कर्मचारियों से हर हफ्ते कम से कम 40 घंटे दफ्तर में रहना होगा। ट्विटर की कमान संभाले मस्क को लगभग 2 हफ्ते हुए हैं। इस दौरान उन्होंने लगभग आधे

कर्मचारियों और उसके ज्यादा शीर्ष अधिकारियों की छुट्टी कर दी है। अपने ई-मेल में एलन मस्क ने कहा है कि ट्विटर की आर्थिक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह समय मीठी-मीठी बातें करने का नहीं है। यह बताने की जरूरत नहीं है कि आर्थिक स्थिति क्या है और विज्ञापन पर निर्भर ट्विटर जैसी कंपनी पर इसका क्या असर हो सकता है। मस्क ने कहा कि कर्मचारियों को ऑफिस आना होगा। जिस कर्मचारी को कोई दिक्कत होगी, तो उसे इस नियम से छूट मिल सकती है। एलन मस्क सभी ट्विटर यूजर्स से सब्सक्रिप्शन फीस चार्ज करने का प्लान कर रहे हैं। कल ही प्लेटफॉर्मर ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया था कि हाल ही में एक मीटिंग में मस्क ने कर्मचारियों के साथ इस विचार पर चर्चा की थी। मस्क की योजना है कि यूजर्स को बस कुछ समय के लिए ही ट्विटर सर्विस फ्री में उपलब्ध कराई जाए। तय समय सीमा के समाप्त होने के बाद जो यूजर्स ट्विटर का प्रयोग करना चाहते हैं, उनसे इसके लिए कुछ रुपए लिए जाएं। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि नया नियम कब लागू होगा और मस्क इसको लेकर कितने गंभीर है।

कर्ज में डूबी फ्यूचर रिटेल को खरीदने मैदान में उतरे अडानी और अंबानी

मुंबई ।

एशिया के प्रमुख कारोबारी में से एक गौतम अडानी और रिलायंस डंडस्ट्रीज के मालिक अरबपति मुकेश अंबानी कर्ज में डूबे फ्यूचर रिटेल लिमिटेड को खरीदने के लिए मैदान में उतर चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के अलावा 13 अन्य इसे खरीदने के लिए दांव लगाने के लिए तैयार हैं। अप्रैल मून रिटेल प्राइवेट लिमिटेड, अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स और फ्लेमिंगो ग्रुप, रिलायंस रिटेल वेंचर्स के साथ-साथ 13 अन्य फर्मों के बीच एक संयुक्त उद्यम ने फ्यूचर रिटेल के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जमा किए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी समूह ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया है। रिलायंस ने डील को किया था मनाफ्यूचर ग्रुप की फ्लैगशिप रिटेल यूनिट फ्यूचर रिटेल के लिए ईओआई जमा करने की समय सीमा इस महीने की शुरुआत में समाप्त हो गई, जो कभी देश की दूसरी सबसे बड़ी रिटेलर थी। बाद में इसे बैंकों की ओर से इस पर दिवालियापन की कार्यवाही की गई, क्योंकि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी संपत्ति की 3.4 अरब डॉलर के डील को मना कर दिया। अमेरिकी ई-कॉमर्स दिग्गज ने फ्यूचर पर रिलायंस के साथ डील कर कुछ कॉन्ट्रैक्ट्स का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। वहीं ईओआई आवेदन जमा करने वाली अन्य संस्थाओं में शालीमार कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नवला स्टील एंड पावर, यूनाइटेड बायोटेक, डब्ल्यूएचस्मिथ ट्रैवल, कैपरी ग्लोबल होल्डिंग्स शामिल हैं। गौरतलब है कि अगस्त में कुल 33 कर्जदाताओं ने लगभग 210.6 बिलियन रुपए (2.59 बिलियन डॉलर) के कर्ज दावे प्रस्तुत किए थे। प्रमुख उधारदाताओं में बैंक ऑफ इंडिया और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं।

वहीं ईओआई जमा करने के लिए 20 अक्टूबर आखिरी तारीख तय की गई थी। अब ईओआई जमा करने वाली संस्थाओं की अंतिम सूची 20 नवंबर को जारी की जाएगी और 15 दिसंबर को ऑफर पेश करने के लिए कहा जाएगा।

ट्विटर ब्लू पेड सब्सक्रिप्शन भारत में शुरू, देने होंगे 719 प्रति माह

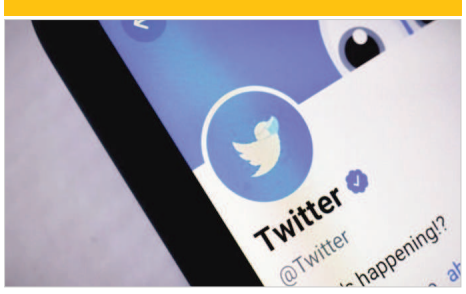

नई दिल्ली ।

भारत में ट्विटर ब्लू पेड सब्सक्रिप्शन की शुरुआत हो गई है और इसकी कीमत 719 रुपए प्रति माह होगी। भारत में कुछ यूजर्स ने ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन के लिए मिले संकेतों की इमेज को शेयर करना शुरू कर दिया है। इन यूजर्स द्वारा शेयर की गई तस्वीरों के अनुसार भारत में ट्विटर ब्लू की कीमत अमेरिका के मुकाबले ज्यादा है। भारतीयों से प्रति माह 719 का शुल्क लिया जा रहा है, जो कि 8.93 है। हालांकि यह सामान्य शुल्क से ज्यादा है। इससे पहले ट्विटर ब्लू को लागू करते हुए मस्क ने कहा था कि विभिन्न देशों में परचेसिंग पावर के अनुपात में कीमत को समायोजित किया जाएगा। खबर के अनुसार रिपोर्ट्स में बताया गया है कि फिलहाल कुछ ही लोगों को ट्विटर ब्लू के लिए ये संकेत मिले हैं। इससे पहले 6 नवंबर को मस्क ने पुष्टि की थी कि भारत में ट्विटर ब्लू के एक महीने से भी कम समय में शुरू होने की उम्मीद है। इससे पहले एलन मस्क ने बताया था कि ट्विटर पर ब्लू टिक के लिए हर महीन 8 डॉलर देने वाले यूजर्स को और सुविधाएं दी जाएंगी। ब्लू टिक वाले यूजर्स को रिप्लाई और सर्च में प्राथमिकता मिलेगी। इस फीचर के जरिए स्पैम और बॉट अकाउंट को खत्म करने में आसानी होगी। हर महीने 8 डॉलर देने वाले यूजर्स को ट्विटर पर लंबे वीडियो और ऑडियो पोस्ट करने की भी सुविधा दी जाएगी। इन यूजर्स को उन पब्लिशर्स के कंटेंट के लिए भी कोई भुगतान नहीं करना पड़ेगा, जो इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ मिलकर काम करते हैं। ब्लू टिक के लिए पैसे वसूलने की योजना पर एलन मस्क ने कहा कि यूजर्स से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल ट्विटर के कंटेंट क्रिएटर को प्रोत्साहित करने में किया जाएगा।

इन कंपनियों के लाभ में रुपये में गिरावट नहीं पड़ा कोई असर, धातु और रसायन क्षेत्र की

मुंबई । एक रेटिंग्स ने कहा कि उसकी रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों में से करीब आधी की मूल लाभप्रदता रुपये के मूल्य में गिरावट की वजह से बढ़ी है। रेटिंग्स एजेंसी की रिपोर्ट में कहा, वे भारतीय कंपनियां जिनकी हम रेटिंग करते हैं उनमें से ज्यादातर के राजस्व का बड़ा हिस्सा अमेरिकी डॉलर से जुड़ा हुआ है, इसकारण रुपये में गिरावट का इसपर असर नहीं पड़ा। इन कंपनियों में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, धातु और रसायन क्षेत्र की कंपनियां शामिल हैं। भारतीय मुद्रा के कमजोर होने से इसमें से आधी कंपनियों कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) बढ़ी है।'' रेटिंग्स एजेंसी ने कहा कि दूरसंचार जैसे घरेलू मांग से संबंधित क्षेत्र भी रुपये में गिरावट से अधिक प्रभावित नहीं हुए और इसकी वजह वित्तीय हानि से बचाव का उनका बंदोबस्त है। वहीं अपनी सेवाओं का डॉलर आधारित निर्यात करने वाली सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियां जैसे कि विप्रो, इंफोसिस और एचसीएल टेक्नोलॉजी जिनकी लागत रुपये में आती है वे विशेषतौर पर लाभ में हैं। इसमें कहा गया, वेदांता रिसोर्सेज जैसी स्थानीय धातु कंपनियों की कमाई भी बढ़ी है। कंपनी का अनुमान है कि जब-जब भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक रुपये गिरेगा, उसका सालाना ईबीआईटीडीए करीब पांच करोड़ डॉलर बढ़ जाएगा।''भारतीय कॉरपोरेट जगत में अवसंरचना क्षेत्र की कंपनियों विशेषकर उच्च पूंजीगत व्यय वाली नवीकरणीय क्षेत्र की कंपनियों को मुद्रा में उतार-चढ़ाव से अधिक जोखिम है, क्योंकि डॉलर में कर्ज पर इनकी निर्भरता अधिक होती है।

सानिया और शोएब का कानूनी तलाक

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक का कानूनी रूप से तलाक हो चुका है। यह दावा शोएब के एक करीबी दोस्त ने किया है। उसने कहा वह तलाक की पुष्टि कर रहा है। इसके आगे दोनों के बारे में बोलना मेरे लिए संभव नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस समय क्रिकेटर शोएब का मॉडल आयशा कमर के साथ अफेयर चल रहा है। इन दोनों की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रही हैं। उल्लेखनीय है हैदराबाद में 12 अप्रैल 2010 को सोनिया और शोएब की शादी हुई थी। सानिया शोएब की दूसरी पत्नी थी। दोनों का एक बेटा है। जिसका नाम इजहान है। लड़के का जन्म 2018 में हुआ था। अब शोएब, मॉडल आयशा के प्रेम जाल में फस गए हैं।

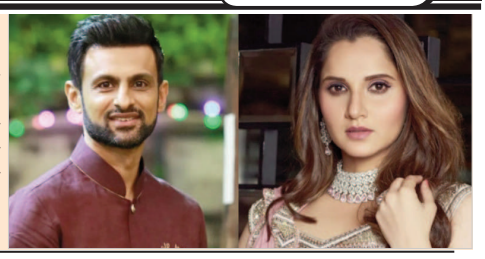

Billie Jean King Cup:

ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

ग्लास्गो।

ब्रिटेन ने स्पेन को 3-0 से हराकर बिली जीन किंग कप महिला टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। महिला टेनिस के इस शीर्ष स्तरीय टीम टूर्नामेंट में ब्रिटेन ने 41 साल में पहली बार अंतिम चार में जगह बनाई है। आस्ट्रेलिया ने भी गुरूवार को ग्लास्गो में अंतिम चार में प्रवेश किया, लेकिन ग्रुप सी में ब्रिटेन ने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। ब्रिटेन के लिये एलिसिया बार्नेट और ओलिविया निकोल्स की जोड़ी ने अलियोना बोलसोवा और रेबेका मासारोवा पर 7-6, 6-2 से जीत दर्ज की। इससे पहले हीथर वाटसन और हैरियट डार्ट ने अपने से ऊंची रैंकिंग की प्रतिद्वंद्वियों को पराजित किया। डार्ट ने 13वीं रैंकिंग की पाउला बाडोसा पर 6-3 6-4 से जीत दर्ज की जबकि दोनों के बीच रैंकिंग का अंतर 85 स्थान है। शुरूआती मैच में वाटसन ने नुरिया पारिजास डायज पर 6-0 6-2 से जीत हासिल की। इससे पहले आस्ट्रेलियाई टीम बेल्जियम को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी। उसके लिये स्टोर्म सैंडर्स ने एलिसन वान उतवांक को 6-2 6-2 से जबकि अजिला तोमलजाकोंविच ने अपनी प्रतिद्वंद्वी एलिसे मर्टन्स के कंधे की चोट के कारण रिटायर होने से जीत दर्ज की। आस्ट्रेलिया ने युगल मुकाबला भी जीता।

शीर्ष अदालत ने फुटबॉल को आगे बढ़ाये जाने की जरुरत बतायी

न्याय मित्र को सुझाव देने कहा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि फुटबॉल एक 'लोकप्रिय' खेल है जिसे आगे ले जाने की जरूरत है। शीर्ष अदालत ने लोगों को खेल के राष्ट्रीय महासंघ के संविधान के मसौदे पर सहायता के लिए न्याय मित्र को सुझाव देने को भी कहा। इससे पहले प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ को अवगत कराया गया कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संविधान मसौदे पर आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। अदालत ने अपने आदेश में कहा, कि न्याय मित्र के तौर पर काम कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन आपत्तियों को सारणीबद्ध करें जिससे कि संविधान को अंतिम रूप दिया जा सके। पीठ ने कहा कि एआईएफएफ के फोरेंसिक ऑडिट की रिपोर्ट भी प्राप्त हो गई है और इसे न्यायाधीशों को सौंपा गया है। वहीं पीठ ने फुटबॉल महासंघ की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन की दलीलों पर भी ध्यान दिया ओर कहा कि खेल निकाय के चार मौजूदा प्रशासनिक सदस्यों सहित आठ लोगों के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की गई थी इसलिए याचिका को न्याय मित्र को सौंपना उचित होगा जिससे कि वह इसे आगे बढ़ाएं। इसके बाद पीठ ने अवमानना याचिका पर नोटिस जारी किया और दो हफ्ते बाद सुनवाई की तारीख तय की। पीठ ने कहा, कोई भी पक्ष जो संविधान के मसौदे पर सुझाव देना चाहता है, वह ऐसा कर सकता है और उन्हें न्याय मित्र को दे सकता है। शुरुआत में पीठ ने देश में फुटबॉल की स्थिति पर अफसोस जताते हुए कहा कि हम फुटबॉल को छोड़कर सब कुछ कर रहे हैं।

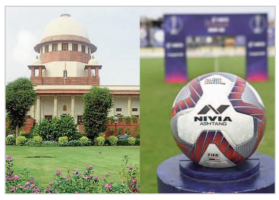

भारतीय मुक्केबाज मीनाक्षी ने एशियाई चैम्पियनशिप में जीता रजत पदक

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाज मीनाक्षी ने शुक्रवार को जोर्डन के अम्मान में चल रही एशियाई चैम्पियनशिप में पदार्पण पर अपना अभियान फ्लाईवेट वर्ग (52 किग्रा) में रजत पदक जीतकर समाप्त किया। मीनाक्षी पूरी कोशिश के बावजूद स्वर्ण पदक के मुकाबले में जापान की किनोशिता रिंका से विभाजित फैसले में 1-4 से हार गईं। दूसरी वरीय जापानी खिलाड़ी के खिलाफ मीनाक्षी की शुरूआती धीमी रही जबकि प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज ने इस भारतीय की सुस्ती का पूरा फायदा उठाया और पांच में से चार जज का फैसला अपने पक्ष में कराया। दूसरे दौर में भी मीनाक्षी सटीक मुक्के नहीं जड़ सकीं जबकि जापानी मुक्केबाज ने सही जगह पर मुक्के जड़कर अंक बटोरे और अच्छा बचाव किया। अंतिम तीन मिनट में मीनाक्षी ने शानदार वापसी की और मुक्कों के अच्छे तालमेल से अंक जुटाए जिससे उन्हें 1-4 से हार मिली। अब टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन (63 किग्रा), अलफिया पठान (81 किग्रा से अधिक) और स्वीटी (81 किग्रा) स्वर्ण पदक के लिए रिंग में उतरेंगी।

न्यूजीलैंड दौरे पर द्रविड़ की जगह लक्ष्मण होंगे मुख्य कोच

पंड्या टी20 , धवन एकदिवसीय की कप्तानी करेंगे

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे पर राहुल द्रविड़ की जगह पर वी वी एस लक्ष्मण मुख्य कोच होंगे। बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड दौरे के लिए द्रविड़ को आराम दिया है। द्रविड़ पिछले साल एक साल से टीम इंडिया के मुख्य कोच की भूमिका में हैं। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम को टी20 विश्व कप में हार का सामना करना पड़ा है। इसी को देखते हुए द्रविड़ की रणनीति पर भी अब सवाल उठने लगे हैं। इस दौरे पर रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या टीम की कप्तानी करेंगे जबकि एकदिवसीय टीम की कमान शिखर धवन के पास रहेगी। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, ' टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के साथ जो सहयोगी स्टाफ मुख्य कोच राहुल द्रविड़, गेंदबाजी कोच पारस म्हाब्रे और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ऑस्ट्रेलिया गये हैं वह अब स्वदेश लौट आयेंगे। जिसके बाद उन्हें आराम दिया जाएगा। इसके बाद ये कोचिंग स्टाफ बांग्लादेश दौरे पर भारतीय टीम के साथ जाएगा। न्यूजीलैंड दौरे पर टीम इंडिया के साथ लक्ष्मण के अलावा बल्लेबाजी कोच ऋषिकेश कानितकर और गेंदबाजी कोच सईराज बहुतुले कोचिंग स्टाफ में शामिल रहेंगे।' लक्ष्मण इस समय बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में चेयरमैन के पद पर हैं। लक्ष्मण ने इससे पहले इसी साल भारतीय टीम के साथ आयरलैंड और जिम्बाब्वे का भी दौरा किया था। इसके अलावा वह टी20 विश्व कप से पहले अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी टीम इंडिया के साथ थे। भारतीय टीम न्यूजीलैंड दौरे की शुरुआत टी20 सीरीज से करेगी। 3 मैचों की सीरीज का पहला टी20 मैच 18 नवंबर को वेलिंग्टन के स्काई स्टेडियम में खेला जाएगा। टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम:

हार्दिक पंड्या (कप्तान), ऋषभ पंत (उप कप्तान), ईशान किशन, दीपक हुडा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, वॉशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, उमरान मलिक और अर्शदीप सिंह।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम:

शिखर धवन (कप्तान), ऋषभ पंत (उप कप्तान), शुभमन गिल, दीपक हुडा, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, शाहबाज अहमद, वॉशिंगटन सुंदर, उमरान मलिक, कुलदीप सेन, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर और अर्शदीप सिंह।

संक्षिप्त समाचार

आजकल राजस्थान यात्रा पर हैं सचिन

जयपुर । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आजकलराजस्थान यात्रा हैं। सचिन ने इस दौरान रणथंभौर टाइगर रिजर्व को देखा। सचिन गुरुवार की सुबह रणथंभौर से रवाना होकर राजधानी जयपुर पहुंचे। 10 नवंबर को सचिन की पत्नी अंजलि तेंदुलकर का जन्मदिन भी था पर टीम इंडिया की हार को देखते हुए सचिन ने सादगी से पत्नी अंजलि का जन्मदिन मनाया। जबकि वह अंजलि के जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए ही राजस्थान यात्रा पर पहुंचे थे। गुरुवार शाम को उन्हें राजधानी जयपुर की विश्वविख्यात झालाना लेपर्ड सफारी में पत्नी के साथ जंगल सफारी पर जाना था पर बेमौसम बरसान व भारत इंग्लैंड मैच की वजह से सचिन ने झालाना की शाम की पारी में जंगल सफारी के कार्यक्रम को रद्द कर दिया. उन्होंने मैच देखते हुए अपना समय बिताया। इसके बाद शाम को अपनी पत्नी के जन्मदिन के खास मौके पर गुरुवार शाम वह एक रेस्तरां पहुंचे। यहां परिवार के बीच ही पत्नी के जन्मदिन को काफी सादगी के साथ मनाया। उन्होंने इस कार्यक्रम को पूरी तरह से निजी रखा और केवल के लोग व दोस्त ही इसमें शामिल हुए। राजस्थान में वन्यजीव सलाहकार मंडल के सदस्य और सचिन के पारिवारिक मित्र सनिल मेहता के मुताबिक, सचिन तेंदुलकर की पत्नी अंजलि तेंदुलकर के लिए यह दिन काफी खास रहा. सचिन अपनी पत्नी के जन्मदिन को लेकर काफी खुश नजर आए। इस बार उन्होंने पत्नी के इस जन्मदिन पर वाइल्ड लाइफ सफारी कर प्रकृति के बीच ही जीवन के खास पल बिताए।

गावस्कर बोले , खेल को अलविदा कह सकते हैं कुछ अनुभवी खिलाड़ी

हार्दिक बन सकते हैं आने वाले समय में कप्तान

एडिलेड । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के अनुसार इंग्लैंड के हाथों आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में मिली करारी हार के बाद भारतीय टीम के कुछ अनुभवी खिलाड़ी संन्यास ले सकते हैं। गावस्कर ने साथ ही कहा कि आने वाले समय में हार्दिक पांड्या टीम इंडिया की कप्तानी संभाल सकते हैं। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के बल्लेबाजी क्रम में भी बदलाव हो सकता है। । गावस्कर ने कहा, 'कप्तान के रूप में अपने पहले असाइनमेंट पर इंडियन प्रीमियर लीग जीतने के बाद, उन्होंने पांड्या को अगले कप्तान के रूप में नामित किया था। पांड्या निश्चित रूप से भविष्य में टीम की कमान संभालेंगे जबकि कुछ खिलाड़ी खेल को अलविदा कर देंगे। टीम की इस बाहर के बाद 30 से अधिक उम्र के कई खिलाड़ी टी20 टीम में अपने बने रहने पर विचार करेंगे। इस पूर्व कप्तान ने आईसीसी आयोजनों के अहम मुकाबलों में भारतीय बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में कहा, 'भारत इन नॉकआउट मैचों में बेहतर नहीं कर पा रहा है। विशेषकर बल्लेबाजी में जबकि बल्लेबाजी ही उसकी ताकत रही है। ' उन्होंने कहा, 'टी-20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में बल्लेबाजी उतनी अच्छी नहीं रही जितनी होनी चाहिए। जबकि यहां पहुंचने पर आपको यह समझ लेना चाहिये कि ग्रुप स्तर की तुलना में गेंदबाजी आक्रमण अधिक बेहतर मिलने वाला है। बल्लेबाजी में अच्छे रन नहीं बनने से गेंदबाजों पर अतिरिक्त दवाब पड़ता है जिससे वह बिखर जाती है।'

बीसीसीआई उठा सकता है सख्त कदम , कप्तानी पर भी होगा फैसला

मुम्बई ।

टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट टीम की करारी हार के बाद रोहित शर्मा की कप्तानी खतरे में पड़ गयी है। भारतीय टीम जिस प्रकार सेमीफाइनल में हारी उससे कई सवाल भी उठ रहे हैं , ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर दवाब बढ़ता जा रहा है। ऐसे में बीसीसीआई ने आगामी टी20 विश्व कप 2024 को देखते सख्त कदम उठाने के संकेत दिए हैं। इसमें सबसे पहले कप्तानी पर कोई फैसला होगा। माना जा रहा है कि अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भविष्य में टी20 की कप्तानी सौंपी जा सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसा बीसीसीआई अब कुछ सख्त फैसले लेने के लिए तैयार है। भारतीय टीम को अब न्यूजीलैंड का दौरा करना है जहां टीम इंडिया को एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलनी है। इस दौरे पर टी20 टीम की कप्तानी हार्दिक पंड्या संभालेंगे क्योंकि रोहित शर्मा, विराट कोहली, लोकेश राहुल को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज से आराम दिया है। वहीं अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन एकदिवसीय टीम की कमान संभालेंगे। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 नवंबर को पहला टी20 मैच खेलना है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, ' यदि आप देखें तो इंग्लैंड की टीम जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड जैसे स्टार खिलाड़ियों के बिना भी आराम से खेल रही थी। वहीं कप्तानी के मामले पर न्यूजीलैंड सीरीज के बाद बात होगी।

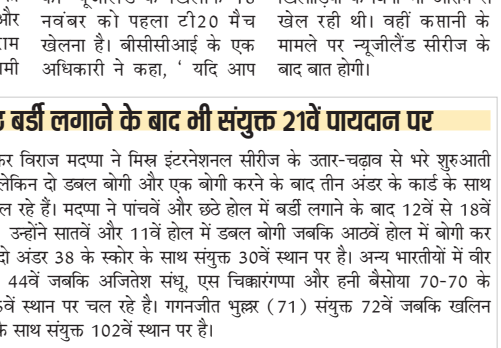

पॉवरप्ले का लाभ नहीं उठा पायी टीम इंडिया , टीम चयन पर भी सवाल उठे

मुम्बई ।

भारतीय टीम के टी20 विश्व कप से बाहर होने का एक बड़ा कारण पॉवरप्ले में विफल रहना भी रहा है। यद देखने में आया कि भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट के एक भी मैच में पॉवरप्ले में रन नहीं बटोर पायी। शुरुआती मैच में जहां भारतीय टीम इसकी भरपायी बीच के ओवरों में कुछ खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन से करने में सफल रही पर सेमीफाइनल में इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने उसकी एक नहीं चली। यदि वर्ल्ड कप के सभी मुकाबलों पर नजर डाली जाए तो टीम इंडिया के लिए शुरुआती 6 ओवर अच्छे नहीं रहे। पूरे विश्व कप में सलामी जोड़ी रन नहीं बना पायी जिससे पॉवरप्ले बेकार होने के साथ ही मध्यक्रम पर जरुरत से ज्यादा दवाब पड़ा गया। सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल किसी भी मैच में रन नहीं बना पाये। विश्व कप में पॉवरप्ले के दौरान शुरुआती पांच ओवरों में सलामी बल्लेबाज 40 रन भी नहीं बना पाये। पूरे 5 मैचों के दौरान पॉवरप्ले में भारत ने 32, 32, 33, 37 और 46 रन बनाए। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भी टीम इंडिया ने पॉवरप्ले में 38 रन बनाए जिसका नुकसान भारत को उठाना पड़ा। इस टूर्नामेंट में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद एक बार फिर टीम इंडिया की चयन प्रणाली भी सवालों के घेरे में है। टीम इंडिया ने आक्रामक बल्लेबाज संजू सैमसन को शामिल नहीं किया जबकि सैमसन ने 16 टी20 मुकाबलों में 293 रन बनाए हैं। इसके अलावा टीम ने स्पिनर युजवेन्द्र चहल को अंतिम ग्यारह में शामिल न कर गलती की जबकि सेमीफाइनल से पहले कई दिग्गजों ने कहा था कि चहल को शामिल किया जाये। टूर्नामेंट की बाकी टीमों के लेग स्पिनर्स ने ऑस्ट्रेलियाई मैदानों पर विरोध बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया पर भारतीय स्पिनर ऐसा नहीं कर पाये। की पिचों पर किफायती गेंदबाजी की है. फिर चाहे वह पाकिस्तान के शादाब खान हो या फिर इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टन.

मदप्पा आठ बर्डी लगाने के बाद भी संयुक्त 21वें पायदान पर

कहिरा। भारतीय गोल्फर विराज मदप्पा ने मिस्र इंटरनेशनल सीरीज के उतार-चढ़ाव से भरे शुरुआती दौर में आठ बर्डी लगायी लेकिन दो डबल बोगी और एक बोगी करने के बाद तीन अंडर के कार्ड के साथ संयुक्त 21वें स्थान पर चल रहे हैं। मदप्पा ने पांचवें और छठे होल में बर्डी लगाने के बाद 12वें से 18वें होल में छह बर्डी लगायी। उन्होंने सातवें और 11वें होल में डबल बोगी जबकि आठवें होल में बोगी कर बैठे। एसएसपी चौरसिया दो अंडर 38 के स्कोर के साथ संयुक्त 30वें स्थान पर है। अन्य भारतीयों में वीर अहलावत (69) संयुक्त 44वें जबकि अजितेश संधू, एस चिक्कारंगप्पा और हनी बैसोया 70-70 के स्कोर के साथ संयुक्त 55वें स्थान पर चल रहे है। गगनजीत भुल्लर (71) संयुक्त 72वें जबकि खलिन जोशी, करणदीप कोचर और सप्तक तलवार की तिकड़ी 73 के स्कोर के साथ संयुक्त 102वें स्थान पर है।

2013 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पायी है टीम इंडिया

करीब एक दशक में 96 खिलाड़ियों को टीम ने आजमाया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के आईसीसी टी20 विश्वकप के आठवे सत्र से बाहर होते ही खिताब जीतने की उम्मीदें फिर टूट गयी हैं। इसी के साथ ही एक बार फिर टीम इंडिया खिताब के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी है। भारतीय टीम करीब एक दशक से कोई खिताब नहीं जीत पायी है। उसने अंतिम बार साल 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। उसके बाद से ही टीम ने 4 टी20 विश्व और दो एकदिवसीय विश्व कप खेले हैं पर उसके सभी में नाकामी का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा उसे 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी और पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भी खिताबी मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भारत ने 96 खिलाड़ियों को उतारा पर ये सभी खिलाड़ी 9 साल में एक भी खिताब नहीं जिता पाये। पिछले साल तो टीम टी20 विश्व कप के सुपर-12 से ही बाहर हो गई थी। वहीं साल 2014 टी20 विश्व कप की बात करें, तो भारत ने फाइनल तक का सफर किया पर यहां उसे श्रीलंका के हाथों हार का सामना करना पड़ा। 2016 टी20 विश्वकप में वेस्टइंडीज ने भारत को सेमीफाइनल में 7 विकेट से हराया जबकि 2021 में टीम सुपर-12 से ही बाहर हुई और अब उसके सेमीफाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा। साल 2015 के एकदिवसीय विश्वकप में टीम इंडिया सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। वहीं 2019 के अंतिम-4 के मुकालबे में उसे न्यूजीलैंड ने हराया था। साल 2017 चैंपियंस ट्रॉफी की बात करें, तो भारत को पाकिस्तान ने हराया था। इसके अलावा 2021 में खेले गए पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उसे न्यूजीलैंड के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा।

आकाश चोपड़ा ने बताये भारतीय टीम की हार के कारण

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने टी20 विश्व कप 2022 में भारतीय टीम की हार के कारणों को बताया है। आकाश के अनुसार भारतीय टीम की योजना सही नहीं थी। उसने एशिया कप में मिली हार के बाद कोई बदलाव नहीं किया था। आकाश ने भारत की प्लानिंग पर सवाल उठाया और कहा कि टीम इंडिया ने जैसा प्रदर्शन एशिया कप 2022 में किया, वैसा ही प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में भी किया। चोपड़ा ने कहा कि ग्रुप स्तर पर भारत को सिर्फ दो बड़े मैच मिले और एक मैच अब था, लेकिन टीम इनमें से दो मुकाबले हार गई। चोपड़ा ने अपने यूट्यूब वीडियो में कहा, सबसे पहली बात आपने पाकिस्तान, नीदरलैंड, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुछ भी किया हो पर इंग्लैंड से मुकाबला वो मैच था, जब आपको दिखाना था कि आपने एक साल से इसके लिए तैयारी की है। ये वो मैच था, जहां सपाट पिच पर आपको बल्लेबाजी करनी थी। आप जानते थे कि सामने वाली की बल्लेबाज अच्छी है पर गेंदबाजी कमजोर है। उन्होंने साथ ही कहा, ये 200 रन वाली पिच थी पर हम 168 रन ही बना पाये। इतने पर भी बड़ी मुश्किल से बने। शुरुआती 6 ओवर में 38 रन ही थे। वो टेम्पलेट कहां, क्योंकि आप रन ए बॉल ही तो खेले। आपने एक साल से तैयारी की थी कि शुरुआत से आक्रामक रुख रखेंगे पर यहां वह गायब था। सारे विश्व कप को छोड़िए, इस मैच को देखिए, आपने इसी मैच के लिए तो तैयारी की थी। आखिरी मौके पर जो आपको करना था, वो कर नहीं पाए तो वो रुख कहां । अगर ऐसा नहीं है तो फिर आप किस प्रकार से खेल में बदलाव कर सकते हैं। दूसरा मेरा सवाल चयन को लेकर है। आपको ये पता तो एशिया कप 2022 में चल जाना चाहिए था कि दिनेश कार्तिक और ऋषभ पंत में कौन खेलेगा। नहीं पता चला तो द्विपक्षीय सीरीज में पता चल जाना था,। ऑस्ट्रेलिया में वार्मअप मैच खेले तो वहां पता चल गया होगा, लेकिन नहीं।

गुजरात चुनाव को लेकर कांग्रेस और एनसीपी के बीच गठबंधन

अहमदाबाद।

कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसीपी) गुजरात विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगी। गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में आज दोनों पार्टियों के प्रदेश प्रमुखों की बैठक हुई। जिसके बाद कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर और एनसीपी प्रमुख जयंत बोस्की ने संयुक्त प्रेस वार्ता की। जयंत बोस्की ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर यूपीए वन और यूपीए टू के कार्यकाल के दौरान महाराष्ट्र में भी एनसीपी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। अब गुजरात में कांग्रेस और एनसीपी फासीवादी ताकतों के खिलाफ साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगी। इसके अंतर्गत पूर्वी अहमदाबाद की नरोडा, छोटाउदेपुर की देवगढ़ बारिया और आणंद जिले की उमरेठ सीट पर एनसीपी उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर धोनी स्टाइल में बेटिंग कर रहे हैं और उन्हें हमारा संपूर्ण समर्थन है। यूपीए के सभी घटक अलग हो गए हैं। लेकिन एसीपी के शरद पवार और सोनिया गांधी कंधे से कंधा मिलकर मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरोडा, उमरेठ और देवगढ़ बारिया सीट एनसीपी के मेंडेट पर लड़ी जाएंगी। उन्होंने कहा कि हमारा कोई नेता निर्दलीय चुनाव लड़ता है तो उसको हम समर्थन नहीं करेंगे। पोरबंदर की कुतियाणा सीट पर अगर कांग्रेस ग्रीन सिग्नल देगी तभी हम मेंडेट देंगे। अगर कोई निर्दलीय उम्मीदवारी करता है तो उसे पार्टी से 6 साल के निष्कासित कर देंगे। फिलहाल पोरबंदर की कुतियाणा सीट से एनसीपी चुनाव नहीं लड़ना तय है। बता दें कि कांधल जाडेजा कुतियाणा से एनसीपी के विधायक हैं कई बार वह

भाजपा के संग दिखाए दिए हैं। राज्यसभा चुनाव में भी कांधल जाडेजा क्रोस वोटिंग कर चुके हैं। संभवत: इसी वजह से एनसीपी ने अबकी बार कुतियाणा से चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। हांलाकि पार्टी का मेंडेट नहीं मिलने के बावजूद कांधल जाडेजा ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया। वहीं राजकोट की गोंडल सीट से भी रेशमा पटेल को एनसीपी ने मेंडेट नहीं दिया है।

सूरत भूमि, सूरत। लिंबायत विधानसभा के उम्मीदवार संगीता पाटिल के द्वारा आज नामांकन किया गया। पिछले 2 टर्न से विधायक रह चुकी संगीता पाटिल को भारतीय जनता पार्टी ने फिर से अपना उम्मीदवार घोषित किया है आज नामांकन किया गया। इस अवसर पर सूरत शहर भाजपा प्रमुख निरंजन झांझमेरा एवं यूथ फॉर गुजरात के प्रमुख जिग्नेश पाटिल तथा सूरत महानगर पालिका के शासक पक्ष नेता अमित सिंह राजपूत तथा विस्तार के पार्षद एवं शिक्षण समिति के सदस्य शुभम उपाध्याय उपस्थित थे।

अंकलेश्वर सीट पर दो सगे भाइयों के बीच जंग, एक कांग्रेस से दूसरा भाजपा से चुनाव मैदान

अहमदाबाद।

भरुच जिले की अंकलेश्वर विधानसभा सीट रातों रात चर्चा में आ गई है। वजह यह है कि यहां से दो सगे भाइयों के बीच मुकाबला होना है। एक भाई कांग्रेस उम्मीदवार है तो दूसरा भाई भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में है। भाजपा के ईश्वर पटेल पांच टर्म से विधायक और दो बार मंत्री रह चुके हैं। बताया जाता है कि ईश्वर पटेल और विजय पटेल के बीच वर्षों से पारिवारिक विवाद चल रहा है। इसी का फायदा उठाते हुए कांग्रेस ने ईश्वर पटेल के ही भाई विजय उर्फ वल्लभ पटेल को चुनाव मैदान में उतारकर मुकाबला दिलचस्प बना दिया है। विजय उर्फ वल्लभ पटेल हिन्दू तलपदा कोली (ओबीसी) वर्ग से आते हैं। 1990 से 1998 तक द भरुच डिस्ट्रीक्ट बैंक सेंट्रल में मैनजर रह चुके विजय पटेल 2000 से 2005 तक हांसोट तहसील पंचायत के प्रमुख और 2005 से 2010 तक बतौर तहसील पंचायत हांसोट कारोबारी अध्यक्ष रहे हैं। 2015 से 2020 तक विजय पटेल जिला पंचायत की खरज सीट से सदस्य और 2020 से 2021 में वालनेर सीट से निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत चुके हैं। बता दें कि विजय पटेल को कांग्रेस में लाने वाले संदीप मांगरोला के खिलाफ 8 5 करोड़ रुपए के घपले की शिकायत दर्ज हो चुकी है।

सूरत भूमि, सूरत। सूरत पश्चिम विधानसभा से कांग्रेस उम्मीदवार संजय पटवा ने अपने समर्थकों के साथ जाकर नामांकन पत्र भरा।

फोटो :- विवेक चौबे

सूरत भूमि, सूरत। गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भारत सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज्य विकास केबिनेट मंत्री गिरीराज सिंह आज सुरत दौरे पर सचिन में हिन्दी भाषी सम्मेलन में उपस्थित थे। इस अवसर पर भाजपा सूरत शहर प्रमुख निरंजन झांझमेरा, किशोर बिंदल, प्रदीपसिंह राजपुत, जितेश सिंह राजपुत, एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने मंत्रीजी का बड़े ही हर्षोल्लास से स्वागत किया।

एकल अभियान गुजरात संभाग खेलकूद समारोह आज से

सूरत भूमि, सूरत।

वनवासी बच्चों का मन-मस्तिष्क के साथ-साथ शारीरिक रूप से भी मजबूत बने इसके लिए एकल अभियान के अंतर्गत देश के ग्रामीण अंचलों में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है । वनबंधु परिषद द्वारा गुजरात संभाग खेलकूद समारोह का आयोजन तासी वैली एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से 12 एवं 13 नवंबर को किया जायेगा ।

शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में वनबंधु परिषद के विनोद अग्रवाल एवं विद्याकर बंसल ने बताया की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन ओलपाड स्थित तासी वैली इंटरनेशनल स्कूल जायेगा । इस खेलकूद प्रतियोगिता में कबड्डी, कुश्ती, दौड़, लम्बी-कूद एवं ऊँची कूद खेल को शामिल किया गया है । गुजरात के 9 जिलों के 2790 आदिवासी गावों से स्थानीय प्रतियोगिता के बाद चयनित 288 बालक-बालिका खिलाडी प्रान्त स्तर के लिए खेलेंगें । इनमे से चयनित खिलाडी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हेतु जनवरी में लखनऊ में होने वाले खेलकूद समारोह में भाग लेंगे ।

वनबंधु परिषद के राजकुमार अग्रवाल एवं ब्रिजमोहन अग्रवाल ने बताया की खेलकूद समारोह का उद्घाटन अजय तोमर, पुलिस आयुक्त, सूरत द्वारा किया जायेगा एवं इस मौके पर वनबंधु परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री घनश्याम मूंदड़ा एवं सह अभियान प्रमुख खेमानंद सापकोटा मुख्य वक्त होंगे । आयोजन का समापन 13 नवम्बर को होगा, जिसके मुख्य अतिथि वीर नर्मद साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर किशोरसिंह चावड़ा होंगे ।

वनबंधु परिषद के श्रीनारायण पेढ़ीवाल ने बताया की खेलकूद महोत्सव में श्याम गर्ग, सुरेश अग्रवाल, कुञ्ज पंसारी, स्नेहकार बंसल, विजया कोकड़ा, अशिता नांगलिया, ज्योति पंसारी, रमेश अग्रवाल, नकुल राठी, संदीप बंसल, गौतम प्रजापति, ऋषभ चौधरी के साथ-साथ एकल अभियान के विभिन्न आयामों के पदाधिकारी आयोजन को सफल बनाने के लिए सक्रियता से भाग ले रहें है ।

एकल अभियान अपनी सहयोगी संस्थाओं वनबंधु परिषद, श्रीहरि सत्संग समिति, एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन ऑफ इंडिया, आरोग्य फाउंडेशन, एकल संस्थान आदि के सहयोग एवं अपनी प्राथमिक शिक्षा, आरोग्य शिक्षा, ग्राम विकास, जागरण एवं संस्कार "पंचमुखी योजना" के माध्यम से आज देश भर के 1 लाख से अधिक वनवासी गावों तक पहुँच चुका है । देश के वनवासी समाज का सर्वांगीण विकास कर उसे देश की मुख्य धारा में शामिल करना एकल अभियान का मुख्य लक्ष्य है । एकल अभियान द्वारा गुजरात के डांग, तापी, नर्मदा, भरुच, हिम्मतनगर, महिसागर, छोटाउदेपुर, पंचमहल और दाहोद अंचलों के 2190 वनवासी गानों के बच्चों एवं ग्रामीणों के लिए पंचमुखी शिक्षा के एकल विद्यालय संचालित है ।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने सीएनजी सेगमेंट में प्रवेश की घोषणा की

बंगलौर । ग्राहक सबसे पहले के अपने दर्शन के क्रम में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज सीएनजी सेगमेंट में अपनी शुरुआत की घोषणा की। इससे ग्राहकों के चुनने के लिए उपलब्ध श्रृंखला में टोयोटा ग्लैंजा और अर्बन क्रूजर हाइराइडर दोनों के और भी अधिक विकल्प उपलब्ध हो सकेंगे। टोयोटा ग्लैंजा, इस साल के शुरू में लॉन्च किया गया था। अब मैनुअल ट्रांसमिशन में एस एंड जी ग्रेड में सीएनजी रूपांतर के साथ मैनुल ट्रांसमिशन पावरट्रेन के साथ उपलब्ध होगी।

इस सेगमेंट में अपनी तरह का पहला अर्बन क्रूजर हाइराइडर भी अब एस एंड जी दोनों ग्रेड में फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट के साथ उपलब्ध होगा। दोनों ग्रेड में मैनुअल ट्रांसमिशन (एमटी) पावरट्रेन से युक्त, सीएनजी रूपांतर सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक के साथ-साथ नियो ड्राइव रूपांतर के अतिरिक्त होगा, जो पहले से ही बाजार में उपलब्ध हैं और हैं जिन्हें ग्राहकों से बहुत उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। टोयोटा के दोनों मॉडलों में सीएनजी ग्रेड की शुरूआत टीकेएम को टिकाऊ वाहन प्रौद्योगिकी पेशकशों की अपनी सीमा को बढ़ाने के साथ-साथ ग्राहकों के चुनने के लिए पर्यावरण के अनुकूल और किफायती विकल्प प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। इस तरह, भारतीय उपभोक्ताओं की विभिन्न किस्म की गतिशीलता आवश्यकताएं पूरी की जाएंगी।

इस अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, श्री अतुल सूद, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग, टीकेएम ने कहा, "एक ग्राहक केंद्रित कंपनी होने के नाते, टीकेएम ग्राहकों के हितों को सबसे आगे रखने में विश्वास करता है। टोयोटा में हमारा लक्ष्य हमेशा ग्राहकों की आकांक्षाओं पर स्पष्ट ध्यान देते हुए और अपने ग्राहकों को सबसे व्यवहार्य उत्पाद और सेवाएं प्रदान करके बाजार की जरूरतों को पूरा करना रहा है। इसी दृष्टि को ध्यान में रखते हुए, हमें सीएनजी सेगमेंट में अपने प्रवेश की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, हमारे दो बहुप्रतीक्षित पेशकशों, टोयोटा ग्लैंजा और अर्बन क्रूजर हाइराइडर के लिए सीएनजी वेरिएंट में ड्राइविंग।

स्कोडा ऑटो इंडिया एक ग्रोथ हब के रूप में भारत के साथ नई बुलंदियों तक पहुंचा

स्कोडा ऑटो इंडिया ने देहरादून में हिमालय की खूबसूरत वादियों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के साथ 2022 की पिछली तिमाही में बेहतरीन प्रदर्शन का जश्न मनाया। पीक-टु-पीक अभियान में जहां कंपनी की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया, वहीं इसके भारत निर्मित प्रॉडक्ट्स को सम्मेलन में विशाल जनसमूह के सामने प्रदर्शित किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत और दुनिया भर के ऑटोमोटिव एक्सपर्ट शामिल हैं। स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक के लिए हाल ही में किए गए जीएनसीएपी क्रैश टेस्ट में फुल 5-स्टार क्रैश सेफ्टी रेटिंग हासिल करने का जश्न भी मनाया।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर पेटृ सॉल्क ने कहा, "आमतौर पर हम इस तरह के सम्मेलन का आयोजन अपने म्लाडा बोलेस्लाव हेडक्वॉर्टर में करते हैं और वहां अपने प्रॉडक्ट्स का प्रदर्शन करते हैं। इस बार मुझे पूरी दुनिया के ऑटो सेक्टर के दिग्गजों और प्रतिनिधियों के सामने भारत में विकसित और निर्मित प्रॉडक्ट्स का प्रदर्शन करते हुए भारत आने के लिए निमंत्रण देते हुए बहुत खुशी हुई और गर्व महसूस हुआ। इन मेड इन इंडिया प्रॉडक्ट्स ने पूरी दुनिया के सामने अपनी श्रेष्ठता साबित कर दी है। यह स्कोडा ऑटो इंडिया में हम सबके लिए कुछ अविश्वसनीय दिनों में से एक थे, जिसमें हमने भारत और दुनिया भर के विशेषज्ञों से विचार-विमर्श किया। हिमालय की खूबसूरत वादियों में हमारे इंडिया 2.0 के हीरोज आत्मविश्वास, ऊर्जा और उत्साह से लबरेज रहे। 2022 हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में एक रहा है। इस साल हमें जिस तरह का रेस्पॉन्स मिला, उसे देखकर हमें पूरा विश्वास है कि हम 2023 और उसके बाद भी इस गति को बनाए रखेंगे।" इस सम्मेलन में भारत, जर्मनी, स्लोवाकिया, आयरलैंड, बेल्जियम, फ्रांस, ऑस्ट्रिया और चेक रिपब्लिक के ऑटो क्षेत्र के दिग्गजों और उत्साही प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक के एनिवर्सरी एडिशन की पेशकश की भी घोषणा की। मॉडल ईयर 2023 में कुशाक और स्लाविया, दोनों कारों के फीचर्स अपडेट किए जाएंगे।

अभी साल 2022 को अलविदा कहने में हालांकि एक महीने से ज्यादा का समय शेष है, स्कोयडा ऑटो इंडिया ने जनवरी से अक्टूबर तक 44,500 कारों की बिक्री के साथ भारत में बिक्री के लिहाज से 2022 को सबसे बड़े साल के रूप में दर्ज किया। इसी अवधि में कंपनी की कारों की कई महीनों, तिमाही और पहली छमाही में रेकॉर्डतोड़ बिक्री हुई। इससे इंडिया 2.0 प्रोजेक्ट, मेड-इन इंडिया, मेड-फॉर-इंडिया MQB-A0-IN प्लेटफॉर्म की सफलता का प्रदर्शन किया गया। जुलाई 2021 में लॉन्च की गई कुशाक एसयूवी और मार्च 2022 में लॉन्च की गई स्लाविया सेडान इसी प्लेटफॉर्म पर निर्मित है। इस वाहन के आने से भारतीय बाजार में कंपनी के विकास ने रफ्तार पकड़ी है और दर्जे में बढ़ोतरी हुई है। अब जर्मनी और चेक रिपब्लिक के बाद भारत दुनिया भर में स्कोडा ऑटो का तीसरा सबसे बड़ा मार्केट है। यूरोप के बाहर भारत स्कोडा इंडिया का सबसे बड़ा मार्केट है।

केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया केनरा रोबेको मिड कैप फंड एनएफओ

मुंबई।

भारत की परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में से एक, केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड ने आज केनरा रोबेको मिड कैप फंड, एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना शुरू करने की घोषणा की, जो मुख्य रूप से मिड कैप कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी संबंधित साधनों (इंस्ट्रूमेंट) में निवेश करेगी। इसका लक्ष्य होगा पाँच साल और उससे अधिक की दीर्घावधि में निवेश पर भारी लाभ प्रदान करना।

केनरा रोबेको मिड कैप फंड का नया फंड ऑफर (एनएफओ) आज, 11 नवंबर, 2022 को खुलेगा और शुक्रवार, 25 नवंबर, 2022 को बंद होगा।

फंड हाउस के रूप में, केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड का मुख्य रूप से सक्षम प्रबंधन और उचित मूल्यांकन वाली मजबूत विकासोन्मुख कंपनियों में निवेश करती है, केनरा रोबेको मिड कैप फंड का उद्देश्य है ऐसी मिड कैप कंपनियों में निवेश करना जिनमें उद्योग वृद्धि, कंपनी की वृद्धि और मजबूत प्रबंधन के तत्व परिलक्षित होते हों।

इस मौके पर, कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी श्री रजनीश नरूला ने कहा- "केनरा रोबेको मिड कैप फंड निवेश के एकमुश्त और एसआईपी दोनों ज़रिये से लंबी अवधि में संपत्ति सृजन का आकर्षक अवसर प्रदान करेगा। म्यूचुअल फंड के जो निवेशक पांच साल से अधिक के लिए निवेश को ध्यान में रखते हुए, बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति धीरज रखने के लिए तैयार हैं उन्हें जोखिम समायोजित लाभ होगा।"

श्रीदत्त भांडवलदर, इक्विटी प्रमुख एवं फंड प्रबंधक, ने कहा:

मिडकैप खंड में पिछले कुछ साल में आय में वृद्धि दर्ज करने वाली प्रमुख कंपनियों की बधती संख्या और इनमें से 75 प्रतिशत का घरेलू कारकों पर निर्भर करने, नई थीम तथा खंड में कम जानी-मानी कंपनियों का बेहतर जोखिम-समायोजित मुनाफा देने के कारण ये मिडकैप खंड में आकर्षक निवेश का मौका प्रदान करते हैं।

श्री भांडवलदर ने कहा, "केनरा रोबेको मिड कैप फंड के पोर्टफोलियो में तीन तरह की श्रेणी होगी। पहली श्रेणी उच्च विकास वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो बेहतर आय वृद्धि के साथ प्रमुख और घरेलू अर्थव्यवस्था में वृद्धि से लाभ पाने वालों की पहचान करेगी। ऐसी कंपाउंडिंग कंपनियां जिनमें मजबूत फ्रेंचाइजी स्थायित्व, उच्च नकदी प्रवाह के सृजन, कमतर पूंजी तीव्रता (कैपिटल इंटेंसिटी) और न्यूनतम वित्तीय लिवरेज की विशेषताएं हैं वे दूसरी श्रेणी का हिस्सा बनेंगी। तीसरी श्रेणी सिक्लिकल (चक्रीय) लाभार्थी कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करेगी जो बेहतर नकदी प्रवाह, कारोबार के कायाकल्प से पूंजी पर बेहतर लाभ, या उद्योग चक्र के पुनरुद्धार का प्रदर्शन करती हों।"

ध्यातव्य है कि फंड प्रबंधक उपर्युक्त चयन और पोर्टफोलियो निर्माण प्रक्रिया का पालन करेंगे और इसमें बाजार की स्थिति, आर्थिक परिदृश्य आदि के आधार पर बदलाव हो सकता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)